जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 99 दिनांक:11-08-2024 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के वायनाड में प्रभावित स्थलों का हवाई और जमीनी सर्वेक्षण करने के बाद एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस मीटिंग में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपीउपस्थित थे।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कोलकाता के एक महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच पूरी करने के लिए शनिवार को अधिकारियों को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया

अबकी बार सीधा SEBI पर हुआ हिंडनबर्ग का हमला, अडानी से मिली हुई हैं माधबी पुरी बुच

नई दिल्ली: अडानी ग्रुप को निशाना बनाने वाली कंपनी हिंडनबर्ग ने इस बार सीधा मार्केट रेगुलेटर सेबी (एँदें) पर हमला बोला है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच भी अडानी ग्रुप के साथ मिली हुई हैं। यही वजह है कि अडानी ग्रुप के खिलाफ उन्होंने 18 महीने में भी कार्रवाई नहीं की है। हिंडनबर्ग की रिसर्च ने इस खुलासे के बारे में सुबह सोशल मीडिया एक्स पर ऐलान किया था। गुप्त दस्तावेज के हवाले से हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा है कि अडानी घोटाले में इस्तेमाल की गई ऑफशोर संस्थाओं में सेबी चेयरपर्सन की हिस्सेदारी थी। हालांकि सेबी की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपने आरोपों में कहा है कि माधबी पुरी बुच ने अपने शेयर पति को ट्रांसफर किए। अप्रैल 2017 से लेकर मार्च 2022 के दौरान माधबी पुरी बुच सेबी की होलटाइम मेंबर होने के साथ चेयरपर्सन थीं। उनका सिंगापुर में अगोरा पार्टनर्स नाम से कंसलटिंग फर्म में 100 फीसदी स्टेक था। 16 मार्च 2022 को सेबी के चेयरपर्सन पर नियुक्ति किए जाने से दो हफ्ते पहले उन्होंने कंपनी में अपने शेयर्स अपने पति के नाम ट्रांसफर कर दिए।

हिंडनबर्ग रिसर्च के अनुसार अडानी समूह पर हमारी मूल रिपोर्ट को लगभग 18 महीने हो चुके हैं, जिसमें इस बात के भारी सबूत पेश किए गए थे कि भारतीय समूह कॉर्पोरेट इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला कर रहा था। तब से, सबूतों के बावजूद, साथ ही 40 से अधिक स्वतंत्र मीडिया जांचों ने हमारे मूल काम की पुष्टि और विस्तार किया, भारतीय प्रतिभूति नियामक सेबी ने अदाणी समूह के खिलाफ कोई सार्वजनिक कार्रवाई नहीं की है।

इसके बजाय, 27 जून 2024 को सेबी ने हमें एक स्पष्ट 'कारण बताओ' नोटिस भेजा। सेबी ने हमारे 106-पृष्ठ के विश्लेषण में किसी भी तथ्यात्मक त्रुटि का आरोप नहीं लगाया, बल्कि इसके बजाय दावा किया कि हमारी शॉर्ट पोजीशन के बारे में खुलासा - जिसका हमने बार-बार खुलासा किया - अपर्याप्त था, यह तर्क देते हुए कि हमें और भी अधिक मजबूत खुलासा प्रदान करना चाहिए था। बता दें कि पिछले साल ही यह कंपनी एक रिपोर्ट के जरिए अडानी समूह को तगड़ा झटका दे चुकी है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह पर निशाना साधते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट ने हड़कंप मचा दिया था, क्योंकि हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के आते ही अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में तगड़ी गिरावट हुई थी

होम, ऑटो व पर्सनल लोन वालों को झटका, देश के तीन बैंकों ने किया लोन महंगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। रेपो रेट पर फैसला लेने वाली आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हुई थी इसमें रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला लिया गया। रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के बैंकों को लोन देता है। आरबीआई ने तो रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन तीन सरकारी बैंकों ने खामोशी से लोन महंगे कर दिए हैं जिनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और यूको बैंक ने एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट) बढ़ा दिया है। इन तीनों बैंकों ने एमसीएलआर में पांच बीपीएस की बढ़ोतरी की है। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर होम, ऑटो या पर्सनल लोन लेने वालों पड़ेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने कुछ टेन्योर के लोन के लिए एमसीएलआर 12 अगस्त से बढ़ा दिया है। केनरा बैंक ने भी 12 अगस्त से इसे बढ़ा रहा लेकिन यूको बैंक के ग्राहकों के लिए यह बढ़ोतरी आज से यानी 10 अगस्त से ही लागू हो गई है। केनरा बैंक ने ऑटो और पर्सनल लोन के लिए एक साल की अवधि का एमसीएलआर नौ फीसदी कर दी है जो पहले 8.95 फीसदी थी। इस तरह तीन साल की अवधि के लिए यह 9.40 फीसदी और दो साल की अवधि के लिए 9.30 फीसदी हो गया है। कोलकाता के यूको बैंक ने एक महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.3फीसदी से बढ़ाकर 8.35फीसदी कर दी है। एक साल के ब्याज पर इसे 8.9 फीसदी से बढ़ाकर 8.95फीसदी कर दिया गया है।

मुंबई के बैंक ऑफ बड़ौदा ने तीन महीने के टेन्योर के लिए एमसीएलआर 8.45फीसदी से बढ़कर 8.5फीसदी कर दिया है। इसी तरह छह महीने की अवधि के लिए इसे 8.7फीसदी से बढ़ाकर 8.75फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने 2016 में एमसीएलआर सिस्टम को पेश किया था। यह किसी वित्तीय संस्थान के लिए एक इंटरनल बेंचमार्क है। एमसीएलआर प्रोसेस में लोन के लिए मिनिमम ब्याज दर तय की जाती है। एमसीएलआर एक न्यूनतम ब्याज दर है, जिस पर बैंक उधार दे सकता है। आम भाषा में कहें तो एमसीएलआर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तय की गई एक पद्धति है जो कमर्शियल बैंकों द्वारा ऋण पर ब्याज दर तय करने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

कांग्रेस के सभी 99 सांसदों को अयोग्य करार देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

प्रयागराज (ईएमएस)। 'घर-घर गारंटी योजना' के तहत वोट के बदले विभिन्न वित्तीय और अन्य लाभ की गारंटी वाले कार्ड बांटने वाले कांग्रेस के 99 सांसदों को अयोग्य करार देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर की गई है। याचिका के मुताबिक, ये वादे जनप्रतिनिधि कानून के तहत रिश्वत के समान हैं, इसलिए कांग्रेस के 99 सांसदों को मौजूदा कानून के तहत अयोग्य करार दिया जाना आवश्यक है।

याचिका में भारतीय निर्वाचन आयोग पर कांग्रेस की विवादित घर-घर गारंटी योजना को लेकर पार्टी के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है। फतेहपुर जिले की भारती देवी द्वारा दायर इस जनहित याचिका में चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई किए जाने की संभावना है। याचिका में तर्क दिया गया है कि घर-घर गारंटी योजना जनप्रतिनिधि कानून, 1951 की धारा 123(1)(ए) के तहत रिश्वत के समान है और यह भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 171बी और 171ई के तहत दंडनीय है। इसमें आरोप लगाया गया है, ''निर्वाचन आयोग की ओर से दो मई, 2024 को जारी परामर्श में राजनीतिक दलों को इस तरह की व्यवस्था के खिलाफ चेतावनी दिए जाने के बावजूद कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता के साथ समझौता करते हुए इन कार्ड का वितरण जारी रखा।''

याचिकाकर्ता ने निर्वाचन आयोग पर निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उसके दायित्व को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। याचिका में अदालत से निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी कर चुनाव प्रतीक (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 की धारा 16ए के तहत कांग्रेस की राजनीतिक पार्टी के तौर पर मान्यता निलंबित करने की भी मांग की गई है। इसके अलावा, याचिका में घर-घर गारंटी योजना से लाभ उठाने वाले 99 कांग्रेस सांसदों को अयोग्य करार दिए जाने के साथ ही इस योजना को लाने के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने का अनुरोध किया गया है। याचिका में भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा के लिए अदालत से निर्णायक कदम उठाने का भी अनुरोध किया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल सीमा पर बीएसएफ ने रोका

सिलीगुड़ी(ईएमएस)। बीएसएफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की मदद से शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में बांग्लादेश से लगती सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। कूचबिहार जिले के स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके बीएसएफ की त्वरित कार्रवाई ने मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि यह ऑपरेशन बताता है कि बीएसएफ के जवान भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ डटे हैं। इसके अलावा बीएसएफ मानवतापूर्ण तरीके से स्थिति को हल करने की कोशिश कर रहा है और 'अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्त पालन' करने के प्रति सजग है।

बीएसएफ के पीआरओ के अनुसार, यह चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। ये सुरक्षा बल मुख्य तौर पर बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं की सुरक्षा के लिए तैनात किए जाते हैं। सीमा सुरक्षा बल के एक प्रवक्ता के अनुसार, बीएसएफ को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 1,000 बांग्लादेशी नागरिकों के सीमा पर आने की बात पता चली, जो भारत में शरण लेने के इरादे से सीमा पर आ रहे थे। प्रवक्ता ने कहा कि इन लोगों का पता चलने पर, बीएसएफ ने तुरंत इन बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लेने के लिए बीजीबी से संपर्क किया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की तरफ से यह सुनिश्चित किया गया कि सीमा पर शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति नियंत्रित की जाए। शेख हसीना को उनके प्रधानमंत्री पद इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति और हिंसक विरोध प्रदर्शन से पड़ोसी देश में फैली अस्थिरता के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बीएसएफ, तटरक्षक बल और तटीय पुलिस सहित विभिन्न केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में फैले सुंदरबन क्षेत्र में बांग्लादेश के साथ समुद्री सीमाओं पर गश्ती बढ़ा दी है।

बारिश: राजस्थान में लूणी नदी में बहे तीन दोस्त, 24 घंटों में 12 मौतें

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान में भारी बारिश ने तबाह मचा रखी है। रेगिस्तानी इलाके में बह रही लूणी नदी में तीन दोस्त बह गए। वहीं भरतपुर में भारी बारिश से एक मकान भरभरा कर गिर गया उसके मलबे में दबने से मां-बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। अलवर में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। वहीं कई नदी-नालों में लोगों के बहने की खबरें लगातार मिल रही हैं और मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटों में करीब एक दर्जन लोगों की नदी-नालों में डूबने से मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बाड़मेर और बालोतरा इलाके में लूणी नदी में आए अचानक तेज पानी में तीन दोस्त बह गए। तीनों की मौत हो गई। तीनों दोस्त शुक्रवार को नदी में नहाने गए थे लेकिन पानी के बहाव में बह गए। युवकों के नदी में लापता होने पर गोताखोरों को बुलाया लगाया गया। गोतोखोरों ने तीनों के शव नदी से बाहर निकल लिए हैं। उनकी पहचान करण वैष्णव, अनिल श्रीमाली और राजेंद्र वैष्णव के रूप में हुई है।

वहीं भरतपुर से पास डीग जिले में भारी बारिश ने कामां इलाके के गांवड़ी गांव में एक मकान भरभरा कर गिर गया। उसमें रह रही मां बेटी की मलबे में दबने से मौत हो गई। मकान गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे। बरसात में ही ग्रामीणों ने रेस्क्यू किया। मकान के मलबे में दबने से गांवड़ी निवासी साजिद की पत्नी और बेटी की मौत हो गई। सूचना पर जुरहरा थाना अधिकारी और कामां डीएसपी मौके पर पहुंचे गए।

सवाई माधोपुर जिले के पीपलदा-देवल्दा गांव के बीच एनिकट में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक विष्णु बैरवा मंडावरी का रहने वाला था। वह अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ने एनिकट गया था। अलवर के राजगढ़ इलाके में एनिकट में डूबने से 15 साल के बालक दीपांशु मीना की मौत हो गई। वहीं ब्यावर जिले के भाऊ तालाब में डूबने से भी 15 साल के बबलू काठात की मौत हो गई। वह अपने दोस्त के साथ वहां नहाने गया था। बता दें इस समय राजस्थान में भारी बारिश से हाहाकार मचा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के वायनाड में प्रभावित स्थलों का हवाई और जमीनी सर्वेक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक की

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के वायनाड में प्रभावित स्थलों का हवाई और जमीनी सर्वेक्षण करने के बाद एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मीटिंग में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी, राज्य मंत्री ए राजन, एके ससींद्रन, पीए मोहम्मद रियास और केरल एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एमआर अजित कुमार उपस्थित थे। मीटिंग के दौरान, प्रधानमंत्री ने राज्य और बचे लोगों को पुनर्वास में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार राज्य सरकार के सभी अनुरोधों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास करेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही उन्हें वायनाड में भूस्खलन की स्थिति की जानकारी मिली, स्थिति का जायजा लेने के लिए एक राज्य मंत्री को राज्य में भेजा गया। साथ ही, बचाव और राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ, सेना और वायु सेना की टीमों को तैनात किया गया था। ज्ञात रहे कि वायनाड में 30 जुलाई को भारी बारिश के कारण मुंडक्की, चूरा लमाला, वेल्लारिमाला गांव में एक बड़ा भूस्खलन हुआ। इस त्रासदी के बाद मोदी सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एनडी आरएफ, सेना, वायुसेना, नौसेना, फायर सेवाएं, सिविल डिफेंस सहित 1200 से अधिक बचाव कर्मियों को तैनात किया। 100 से अधिक एंबुलेंस और डॉक्टरों की टीम तैनात की गई थी। इस त्रासदी में अब तक 416 लोगों के मारे जाने और 150 लोगों के लापता होने की खबर है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि अच्छा होता यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा पहले करते। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कम से कम प्रधानमंत्री के दौरे के बाद केंद्र सरकार इसे प्राकृतिक आपदा कहा।

वसूली के लिए 5000 बड़े आयकर दाताओं पर शिकंजा कसेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अनुसार 1 अप्रैल 2023 तक 24 लाख करोड़ का आयकर बकाया है। 1 अप्रैल 2024 को यह बढ़कर 43 लाख करोड़ हो गया है। इससे आयकर विभाग की चिंता बढ़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस साल 7.98 लाख करोड़ के बकाया वसूली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 5000 बड़े आयकर दाताओं के ऊपर कार्यवाही की जाएगी। बड़े आयकर दाताओं की प्राथमिकता के साथ जांच होगी। जिनके ऊपर टैक्स बकाया है। उसमें व्यक्तिगत और कारपोरेट कंपनियां शामिल हैं। इसमें कई मामले मुकदमेबाजी में फंसे हुए हैं।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने मामलों को निपटने और वसूली करने के लिए टीम गठित की है। बकाया राशि वसूल करने के लिए समझौते के माध्यम से अथवा अंतिम निराकरण करके वसूली की कार्रवाई की जाएगी। जिन 5000 मामलों को सूचीबद्ध किया गया है। 60 फ़ीसदी बकाया राशि इन्हीं के ऊपर है। वित्त मंत्रालय का दबाव भी बकाया राशि को वसूल करने के लिए आयकर विभाग पर है। पुराने बकाया को वसूल करने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ताकि विवादित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा हो सके।

ट्रेनी डॉक्टर से रेप, फिर हत्या

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के सरकारी हॉस्पिटल (आरजी कर मेडिकल कॉलेज) में पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर की डेड बॉडी मिली। शुरुआती जांच में पता चला है कि रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर की हत्या की गई है। महिला के आंख, मुंह और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। साथ ही उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाहिने हाथ, रिंग फिंगर और होठों पर भी चोटें हैं। कोलकाता पुलिस के अनुसार मामला सुसाइड का नहीं है। रेप के बाद हत्या हुई है। ट्रेनी डॉक्टर की गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई मिली है। ऐसा लगता है कि गला घोंटकर हत्या की गई है। घटना के बाद मेडिकल स्टूडेंट्स, भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों ने अस्पताल के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

किसानों की आय बढ़ाने छह सूत्रीय रोडमैप तैयार, आज कृषि बीजों की 109 किस्मों को जारी करेंगे पीएम

भोपाल (ईएमएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सुबह 11 बजे कृषि बीजों की अलग-अलग 109 किस्मों को जारी करेंगे। अलग एग्रो क्लाइमेटिक जोन के लिए इसमें अलग किस्म हैं। साथ ही बीजों की किस्म एरिया स्पेसिफिक फसलों के लिए तैयार की गई है। इन किस्मों को प्रधानमंत्री खेत में ही जाकर रिलीज करेंगे। आईसीएआर के खेतों में प्रधानमंत्री जाएंगे और तीन स्थानों पर बीजों की किस्मों को रिलीज करेंगे। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड, विज्ञान सीधे किसान तक पहुंचें, रिसर्च का फायदा किसान तक पहुंच जाए। सब एक जगह हो, यह प्रयत्न किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने गरीबों के 2 करोड़ ग्रामीण घर बनाने का प्रावधान किया है।

भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। यह देश के लगभग 50 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है। अर्थव्यवस्था में जीडीपी का योगदान भले ही 17 प्रतिशत से ज्यादा है लेकिन किसान अगर उत्पादक है तो सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है।

किसान कुछ खरीदता है, उससे भी जीडीपी बढ़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं। हम कहते रहे हैं कि किसानों की आय बढ़ाएंगे, कृषि क्षेत्र को मजबूत करेंगे। शिवराज ने कहा कि 6 आयामों पर हम पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर काम कर रहे हैं।

कर्नाटक में 1200 किसानों की आत्महत्या पर चुप क्यों हैं राहुल गांधी: भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजप ने किसानों के हितों को लेकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पर झूठे वादे करने का आरोप लगाकर कहा कि दिल्ली में किसानों से मुलाकात करने वाले राहुल गांधी कर्नाटक में 1200 किसानों की आत्महत्या पर चुप क्यों हैं ? भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि वादाखिलाफी करना कांग्रेस के डीएनए में है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को आए 15 माह हो चुके हैं। एक चौंकाने वाली रिपोर्ट आई हैं कि राज्य में 1200 किसान आत्महत्या कर चुके हैं। इन 1200 किसानों का दोष सिर्फ इतना था कि इन्होंने वादाखिलाफी और झूठ की राजनीति करने वाले राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की बातों पर भरोसा कर लिया था।

दिल्ली में किसानों से मिलने वाले राहुल गांधी ने कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या पर कभी चिंता नहीं जाहिर की। भाजपा ने पूछा कि राहुल गांधी कर्नाटक के किसानों से मुलाकात क्यों नहीं करते ? क्या उन्होंने अपने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से सवाल पूछा कि कर्नाटक में किसान क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? इन किसानों के परिवारों पर झूठ बोलने का आरोप लगाने वाले अपने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते।

भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने संसद सत्र का जिक्र कर कहा कि सत्र के दौरान एक ओर सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए जनता के हित की बात कर रही थी, वहीं दूसरी ओर विपक्षी पार्टियां, खासकर कांग्रेस और राहुल गांधी केवल और केवल नकारात्मक राजनीति कर रहे थे। सभी लोगों ने देखा कि किस तरह से नौटंकी करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दिल्ली में किसानों से मिलते हैं। ये अच्छी बात है कि राहुल गांधी को कम से कम किसानों और युवाओं की याद आई। लेकिन किसानों के नाम पर राहुल गांधी ढोंग की राजनीति करते हैं। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो किसानों के कल्याण के लिए खड़े हैं, दूसरी और राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी है जो अपने झूठे वादे के लिए बदनाम है।

भाटिया ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस ने कर्नाटक में अपने घोषणापत्र में 59 बड़े वादे किए थे जिसमें से उन्होंने सिर्फ 2 वादों पूरे किए है, यानी कांग्रेस का वादा पूरा नहीं करने का प्रतिशत 97 है। कांग्रेस के 59 में से 57 वादे अभी तक अधूरे हैं, जो राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की वादाखिलाफी को दर्शाता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पोक्सो एक्ट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शनिवार को पोक्सो एक्ट के एक मामले में सुनवाई की। जस्टिस जयराम भंभानी ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत पेनिट्रेटिव यौन हमले और गंभीर पेनेट्रेटिव यौन हमला (जबरन किसी चीज से बच्चों के निजी अंगों से छेड़छाड़) केस महिलाओं के खिलाफ भी चलाया जा सकता है। ऐसे मामलों में जेंडर कोई ढाल नहीं हैं। कोर्ट की टिप्पणी एक महिला की दाखिल याचिका पर आई है। उसका तर्क है कि पोक्सो एक्ट की धारा 3 में पेनिट्रेटिव यौन हमला और धारा 5 में गंभीर पेनिट्रेटिव यौन हमला का केस किसी महिला पर दर्ज नहीं हो सकता। क्योंकि इनकी डेफिनेशन से पता चलता है कि इसमें केवल सर्वनाम वह का उपयोग किया गया है। जो कि पुरुष को दर्शाता है, महिला को नहीं। महिला पर साल 2018 में केस दर्ज हुआ था। मार्च 2024 में ट्रायल कोर्ट ने उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत आरोप तय किए थे। इसके बाद महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पोक्सो के प्रावधानों से पता चलता है कि पोक्सो अधिनियम की धारा 3 में प्रयुक्त शब्द वह को ये अर्थ नहीं दिया जा सकता कि यह केवल पुरुष के लिए है। इसके दायरे में लिंग भेद के बिना कोई भी अपराधी (महिला और पुरुष दोनों) शामिल होना चाहिए। यह सही है कि सर्वनाम वह को पोक्सो अधिनियम में कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है।

पोक्सो एक्ट बच्चों के लिए

हाईकार्ट ने कहा कि पोक्सो अधिनियम की धारा 2(2) के प्रावधान को देखते हुए, किसी को वह सर्वनाम की परिभाषा पर वापस लौटना चाहिए, जैसा कि आईपीसी की धारा 8 में है। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पोक्सो एक्ट बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। चाहे वो अपराध किसी पुरुष या महिला ने किया हो। अदालत को कानून के किसी भी प्रावधान की ऐसी व्याख्या नहीं करनी चाहिए जो विधायी इरादे और उद्देश्य से अलग हो। पोक्सो एक्ट में किसी भी वस्तु का प्रवेश बच्चों के निजी अंगों में बात है, न कि केवल शरीर का कोई अंग। इसलिए यह कहना सही नहीं है कि यौन अपराध केवल लिंग के प्रवेश तक ही सीमित है। पोक्सो एक्ट की धारा 3(ए), 3(बी), 3(सी) और 3(डी) में उपयोग सर्वनाम वह की व्याख्या इस प्रकार नहीं की जानी चाहिए कि उन धाराओं में शामिल अपराध को केवल पुरुष तक सीमित कर दिया जाए। आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार), दूसरी ओर पोक्सो एक्ट की धारा 3 और 5 में बताए गए क्राइम की तुलना करने से सामने आता है कि दोनों अपराध अलग-अलग हैं।

राहुल गांधी विदेशी नागरिक.....क्यों उन्हें बचा रहे पीएम मोदी और शाह

चेन्नई (ईएमएस)। बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेशी नागरिकता का मामला उठाया है। इस बार स्वामी ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया है। बीजेपी नेता स्वामी ने एक्स पर लिखा है कि मोदी और शाह राहुल गांधी को क्यों बचा रहे हैं, जबकि वे विदेशी नागरिक हैं, जिन्होंने 2003 में ब्रिटिश नागरिकता हासिल की है। इतना ही नहीं लंदन में बैक ऑप्स नाम की कंपनी शुरू की है। उनकी भारतीय नागरिकता अमान्य है। अगर पीएम मोदी और शाह राहुल गांधी को बचाना जारी रखते हैं, तब मुझे उनके खिलाफ केस दर्ज करना पड़ेगा। स्वामी ने अपने ट्वीट के साथ 2019 में गृह मंत्रालय के विदेश विभाग की ओर से जारी किया है। यह पत्र स्वामी की शिकायत के आधार पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लिखा गया था, इस पत्र में राहुल गांधी से सफाई मांगी गई थी।

एक अन्य ट्वीट में स्वामी ने लंदन में फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न की कॉपी भी अटैच की है। इसमें भी उन्होंने राहुल गांधी के साथ पीएम नरेंद्र मोदी और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की घेराबंदी की है। स्वामी ने लिखा है कि यह राहुल गांधी की ओर से ब्रिटिश नागरिक के रूप में ब्रिटिश सरकार को दाखिल किया वार्षिक रिटर्न है। क्या सोनिया गांधी की ओर से पीएम मोदी को कार्रवाई न करने के लिए ब्लैकमेल किया जा रहा है? स्वामी ने इनकम टैक्स रिटर्न की तस्वीर लगाई है, उसमें बताया गया है कि लंदन की कंपनी बैक आप्स राहुल गांधी के शेयर हैं। राहुल गांधी का पता 51, साउथगेट स्ट्रीट, विंचेस्टर, हैंपशायर बताया गया है।

सुप्रीम कोर्ट को क्रीमी लेयर के फैसले को संसद में लाकर नकार देना चाहिए था - मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों ने एक फैसला दिया है, जिसमें उन्होंने एससी-एसटी वर्ग के लोगों के सब-कैटेगराइजेशन के साथ ही क्रीमी लेयर की भी बात की है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लाकर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को नकार देना चाहिए था। इसे आज 10-15 दिन हो चुके हैं, लेकिन इसके लिए आपके पास वक्त नहीं है। खरगे ने कहा कि भारत में दलित समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण बाबासाहेब के पूना पैक्ट के माध्यम से मिला था। बाद में पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी ने रिजर्वेशन पॉलिसी को जारी रखा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरक्षण के साथ ही शिक्षा और रोजगार में भी आरक्षण जरूरी मुद्दा था, लेकिन अब एससी-एसटी के लोगों को क्रीमी लेयर का कहकर आरक्षण से बाहर निकालना उनके ऊपर एक बड़ा प्रहार है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक तरफ देश में लाखों सरकारी नौकरियां हैं, जिनमें भर्तियां नहीं की जा रही हैं। दूसरी ओर आप क्रीमी लेयर के जरिए दलित समाज को कुचल रहे हैं। मैं इसका विरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी के इस मुद्दे में दलितों-वंचितों के बारे में नहीं सोचा गया।

उन्होंने कहा कि जब तक देश में छुआछूत है, तब तक आरक्षण रहना चाहिए और रहेगा। हम उसके लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी मिलकर इस क्रीमी लेयर के फैसले को मान्यता न दें। उन्होंने कहा कि हम दलितों-वंचितों की हिफाजत के लिए जो भी कर सकते हैं, वह करेंगे।

साथ ही उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने कई बुद्धिजीवियों को बुलाकर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर हम कंसल्टेशन कमेटी बनाएंगे, एनजीओ से मिलेंगे, उनकी राय लेंगे और सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे।

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के सभी घाट दुबे

खंडवा (ईएमएस)। बरगी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण इंदिरा सागर बांध में तेजी के साथ जल स्तर बढ़ रहा है। 3 दिन से बांध के 12 गेट खुले हुए हैं। जिस तेजी के साथ पानी आ रहा है। उसके बाद शुक्रवार की रात एक गेट और खोल दिया गया

19 गेट से इंदिरा सागर बांध से 10956 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को इंदिरा सागर का जल स्तर 260.46 तथा ओम्कारेश्वर बांध का जल स्तर 195.46 मीटर था। इस जल स्तर को देखते हुए 50 किलोमीटर के क्षेत्र में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के सभी घाट डूब गए हैं। जिला प्रशासन ने ओंकारेश्वर के घाटों में जाना प्रतिबंधित कर दिया है। शुक्रवार की सुबह से ही एसडीएम शिवम प्रजापति ने घाटों से दुकानों और लोगों को वहां से हटाने की कार्रवाई की। पुलिस ने सुरक्षा तैनात कर दी है। घाट की तरफ किसी को आने नहीं दिया जा रहा है।

आधे मानसून में अब तक 575 एमएम बारिश हुई

-इस साल अब तक 49 साल के औसत से 12.1 प्र

जन हितैषी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने विपक्ष का महाभियोग

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी सदस्यों के बीच सदन में तीखी-नोंक झोंक हुई। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को 2 दिन पहले ही अनौपचारिक रूप से सत्तापक्ष को चेता दिया था,राज्यसभा के सभापति ने यदि सदन मे अपना व्यवहार नहीं बदला, तो वह सभापति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे। इस चेतावनी के बाद उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ की नाराजी विपक्ष के साथ और बढ़ गई। गुरुवार को राज्यसभा में तनातनी के बीच जगदीप धनखड़ आसंदी छोड़कर चले गए थे। शुक्रवार को वरिष्ठ राज्यसभा की सदस्य जया अमिताभ बच्चन के साथ उनकी नोकझोंक हुई। सभापति ने जया जी को कहा, आपने एक्टर के रूप में बहुत इज्जत कमाई है। डायरेक्टर के निर्देशन पर एक्टर को कम करना होता है। मुझे किसी से पाठ नहीं पढ़ना है। आप कह रही हैं कि मेरी टोन ठीक नहीं है। आप कितनी भी बड़ी सेलिब्रिटी हों, आपको सदन में मेरे निर्देशों का पालन करना ही होगा। मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। इसके बाद सदन का माहौल गर्म हो गया। सत्ता पक्ष के सदस्य हो- हल्ला करने लगे। इसी बीच जगदीप धनगढ़ के व्यवहार से विपक्ष भी एकजुट हो गया। मामला इतना गर्म हो गया, कि विपक्ष ने सदन से बहिष्कार कर दिया। विपक्ष इस बात से भी नाराज था। सभापति ने आसंदी से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा था, वह देश में अराजकता फैला रहे हैं। इसी तरह से राजस्थान के घनश्याम तिवाडी ने मल्लिकार्जुन का नाम लेकर सीधे उन पर परिवारवाद का आरोप लगाया था। विपक्ष का कहना है, सत्ता पक्ष कुछ भी बोलता रहता है। आसंदी चुप रहती है। जब विपक्ष के सदस्य बोलने के लिए खड़े होते हैं। बीच-बीच में उन्हें टोका जाता है। उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। उनकी बातों को रिकॉर्ड से अलग कर दिया जाता है। बीच-बीच में माइक बंद कर दिए जाते हैं। सदस्य से ज्यादा सभापति बोलते हैं। वहीं जब सत्ता पक्ष के सदस्य बोलते हैं, जिन बातों के लिए विपक्ष को आसंदी से रोका जाता है। सत्ता पक्ष जब बोलता है, तो आसंदी चुप रहती है। कुल मिलाकर सभापति जगदीप धनखड़ के पक्षपात और उनके व्यवहार से विपक्षी सांसद नाराज है। शुक्रवार की घटना ने आग में घी डालने का काम किया। पूरे विपक्ष ने बहिष्कार कर पत्रकारों के सामने अपनी नाराजी प्रकट करते हुए कहा जिस तरह का व्यवहार सभापति विपक्ष के साथ कर रहे हैं। राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्यों के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी आसंदी में बैठकर कर रहे हैं। यह विपक्ष को स्वीकार नहीं है। विपक्ष उनके खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सदन में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव रखा। इसके बाद विपक्ष और भी बिफर गया प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष ने 90 से ज्यादा राज्यसभा के विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लिए हैं। जल्द ही विपक्ष महाभियोग प्रस्ताव पेश करने जा रहा है। राज्यसभा में जिस तरह से जगदीप धनखड़ विपक्ष के साथ व्यवहार करते हैं। उससे ऐसा लगता है, कि वह प्राइमरी स्कूल के मास्टर हैं। जैसे ही बच्चा कक्षा में बोलने के लिए खड़ा होता है। मास्टर जी बार-बार उसे रोककर समझाने लगते हैं। समय-समय पर अच्छी खासी डांट लगा देते हैं। यह सब विपक्षी सांसदों के साथ वह करते हैं। सत्ता पक्ष के लिए उनका व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है। उनके इसी पक्षपात को लेकर विपक्ष नाराज था। पिछले कुछ समय से वह राज्यसभा के सदस्यों को जिस अंदाज और जिस ढंग से उन्हें बोलने से रोकते थे। बार-बार माइक बंद कर देने से राज्यसभा के सदस्य व्यक्तिगत तौर पर उनसे नाराज थे। राज्यसभा उच्च सदन है। अधिकांश सांसद पढ़े-लिखे और सेलिब्रिटी होते हैं। उनका कई वर्षों का राजनीतिक अनुभव होता है। जब से सभापति के पद पर जगदीप धनखड़ चुनकर आए हैं। उसके बाद से ही यह माहौल बना हुआ है। इसके पहले वेंकैया नायडू राज्यसभा के सभापति थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी तालमेल नहीं गड़बड़ाया वेंकैया नायडू जहां विपक्ष की मांग सही होती थी। वह सरकार को चर्चा के लिए तैयार करते थे। उनका व्यवहार सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के साथ एक समान होता था। जिसके कारण अभी तक के इतिहास में राज्यसभा में सभापति कोई भी रहा हो। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी टकराव की स्थिति नहीं बनी। जगदीप धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उस समय भी उनका व्यवहार चर्चा में रहता था। वह स्वयं को मुख्यमंत्री से ऊपर मानकर चलते थे। उपराष्ट्रपति के पद पर होने के बाद भी वह राजस्थान विधानसभा के जब चुनाव हो रहे थे। वह बार-बार राजस्थान गए, उस समय भी उन पर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगा था। राज्यसभा की कार्यवाही जो भी लोग देखते है। सत्ता पक्ष के लोगों को छोड़ दें, तो उनका व्यवहार विपक्षी दलों के वरिष्ठ सांसदों के साथ जिस तरह का होता था। उसको देखकर लोग बरबस कहते थे, आसंदी इस तरह का व्यवहार कैसे विपक्ष के साथ कर सकती है, विपक्ष चुप क्यों हैं. जया बच्चन के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया। उसके बाद यह गुस्सा स्वाभाविक था। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार उपराष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष एक नई ऊर्जा के साथ अपनी भूमिका तय कर रहा है। 2014 के बाद से विपक्ष मूर्छा में चला गया था। पिछले 10 सालों में लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष को बुरी तरह से सत्ता पक्ष द्वारा प्रताड़ित किया गया है। इसमें आसंदी की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। जिस तरह से पिछले वर्षों में बिलों को सदन से पास कराया गया। विपक्षी सदस्यों को बोलते नहीं दिया गया। जिस तरीके से सदन से विपक्षी सांसदों को निष्कासित किया गया। अब स्थितियां बदल गई हैं। विपक्ष अब अपने अधिकारों के साथ-साथ आसंदी के अधिकारों के लिए भी लड़ने की तैयारी कर रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में सीआरपीएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं। जो गृहमंत्री के अधीन आते हैं। इसके पहले लोकसभा और राज्यसभा में जो सुरक्षा बल तैनात होता था, वह अध्यक्ष के नियंत्रण में काम करता था। सुरक्षाबल में लोकसभा सचिवालय के कर्मचारी होते थे। जिस तरह से संसद सदस्यों के अधिकार पिछले 10 साल में सदन में कम किए गए हैं। अब आसंदी के अधिकार भी सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। जिसके कारण विपक्ष अब आर पार की लड़ाई लड़ने की मुद्रा में है विपक्षी दलों की ओर से जो संकेत आ रहे हैं। उसके अनुसार महाभियोग हर हालत पर विपक्ष लाने पर अड गया है। सत्ता पक्ष की ओर से बीच- बचाव की कोशिश हो रही है। इस बार विपक्ष समझौता करने के मूड में नहीं दिख रहा है।

जया को रोऊँ की रोऊँ जगदीप को ?

राज्यसभा में पांचवीं बार पहुंची सातवें दशक की गुड्डी यानि आज की जया बच्चन और राज्यसभा के सभापति जगदीप घनकड़ के बीच हुए वाक्युद्ध के बाद लगता है के राजनीति में कड़वाहट का नया अध्याय शुरू होगा। इस नए अध्याय में जया बच्चन का तो कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन जगदीप धनकड़ हमेशा के लिए एक नाकाम सभापति के रूप में दर्ज हो जायेंगे ,भले ही विपक्ष द्वारा लाया जाने वाला अविश्वास प्रस्ताव सदन में पारित हो या न हो।

संसद के उच्च सदन के सभापति लोकसभा के अध्यक्ष श्रीमान ओम बिरला की ही तरह कठपुतली साबित हुए हैं। दोनों अपने आपको भाजपा का र्यकता होने की ग्रंथि से मुक्त नहीं हो पाए। काश यदि ऐसा हो जाता दो सदन को और देश को ऐसे बुरे दिन नहीं देखना पड़ते। समस्या ये है की हम धनकड़ का समर्थन करें या जाया बच्चन का ? जया बच्चन अपनी जगह सही हैं और धनकड़ को तो सही होना ही है क्योंकि वे सभापति हैं। लेकिन दुनिया भर के देहभाषा विशेषज्ञ बता सकते हैं कि राज्य सभा में इस कड़वाहट के लिए जिम्मेदार कौन है ?

राज्यसभा के सभापति श्रीमान जगदीप घनकड़ ने घाट -घाट का पानी पिया है लेकिन वे उम्र और अनुभव में जया बच्चन से उन्नीस ही बैठते है। जगदीप जी, जया से तीन साल छोटे है। वे केंद्र में एक बार मंत्री रहे हैं लेकिन जया बच्चन राज्य सभा में पांचवीं बार आयीं हैं । धनकड़ साहब 1978 से सार्वजनिक जीएवं में हैं और जया बच्चन 1968 से। मैंने उनकी पहली फिल्म महानगर भी देखी है और आखरी फ़िल्मी ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी देखी है । जब मै युवा था तब मेरी निकटता एक पत्रकार के रूप में जया बच्चन के पिताश्री स्वर्गीय तरुण भादुड़ी से भी थी। वे बताया करते थे कि जया बचपन से तुनकमिजाज रही है ,लेकिन लड़ती हमेशा मुद्दों को लेकर है।

धनकड़ साहब को मै एक केंद्रीय मंत्री के रूप में याद नहीं कर पा रहा हूँ । वे 1990 -91 में तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की अल्पजीवी सरकार के संसदीय कार्यमंत्री थे। धनकड़ की असल पहचान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद हुई । राज्यपाल के रूप में जगदीप साहब ने जिस तरह से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से टक्कर ली उसने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। बंगाल में उनकी कोशिशों के बावजूद ममता सत्ताच्युत नहीं हो पायीं ,लेकिन धनकड़ साहब की ईनाम स्वरूप देश का उपराष्ट्रपति बना दिया गया। इस नाते वे राज्यसभा के सभापति बन गए ,लेकिन वे ये याद नहीं रख पाए कि एक राज्यपाल की भूमिका और एक सभापपति की भूमिका में जमीन -आसमान का भेद है। माननीय धनकड़ साहब को मै लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला जी के मुकाबले ज्यादा योग्य मानता हूँ। ये मेरी निजी राय है । वे वाकपटु हैं ,विनोदी हैं, सहनशील हैं लेकिन बिरला और धनकड़ में जो समानता है वो ये है कि दोनों अपने आपको मोशा की जोड़ी का वफादार साबित करने की होड़ में स्तरहीन साबित हो गए हैं।

शुक्रवार को राज्यसभा में धनकड़ और जया बच्चन की तकरार जिसने भी देखी उसे ये समझने में कोई दिक्कत नहीं हुई होगी कि धनकड़ साहब आपे से बाहर थे। जया बच्चन ने जो मुद्दा उठाया था उसे सहजता से सुलटाया जा सकता था । उसके लिए किसी क़ानून की नहीं बल्कि हिकमत अमली की जरूरत थी । लेकिन धनकड़ साहब लगातार इस बात पर अड़े रहे कि जया बच्चन का जो नाम रिकार्ड में दर्ज है वे उसी का उल्लेख कर रहे हैं। सवाल ये है की क्या वे ऐसा सबके साथ करते हैं ? क्या कभी उन्होंने नरेंद्र मोदी जी को रिकार्ड में दर्ज नरेंद्र दामोदर दास मोदी या गृहमंत्री अमित शाह को उनके पूरे नाम से सम्बोधित किया ? शायद नहीं किया और कर भी नहीं सकते क्योंकि वे सरकार के एजेंट के रूप में काम करते दिखाई देते है। देश ने उन्हें सभापपति कि पद पर बैठकर आरएसएस का समर्थन करते हुए देखा है। धनकड़ साहब जितने अविश्वसनीय बंगाल कि राज्यपाल कि रूप में थे ,उतने ही अविश्वसनीय राज्य सभा कि सभापति के रूप में भी हैं।

हमारे यहां कहते हैं कि - अभी भी बेटी बाप की है अर्थात यदि धनकड़ साहब अपने व्यवहार के लिए खेद प्रकट कर दें तो मुमकिन है कि विपक्ष उन्हें माफ़ कर दे ,लेकिन यदि वे इतना भी नहीं करते तो तय है कि विपक्ष उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। सत्ता पक्ष धनकड़ को बचाने कि लिए विपक्ष कि खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन ये समस्या का समाधान नहीं है ,बल्कि इससे कटुता और बढ़ेगी और भविष्य में सदन को चलना मुश्किल हो जाएगा। धनकड़ के व्यवहार को लेकर जया बच्चन इस बार अकेली नहीं हैं। समूचा विपक्ष उनके समर्थन में सदन का बहिष्कार कर चुका है। जया बच्चन ने भी साफ़ कह दिया है कि इस मुद्दे पर वे निजी रूप से कोई फैसला नहीं लेंगी ,जो करना है विपक्ष को करना है । विपक्ष के नेता जो कहेंगे सो होगा। यानि पेंच उलझ गया है।

आज और कल का दिन इस मुद्दे का सम्यक हल निकालने के लिए सत्तापक्ष और खुद धनकड़ साहब के पास है । धनकड़ साहब को समझ लेना चाहिए कि अकड़ से काम नहीं चलेगा । उन्हें इस मामले में अपना आदर्श पूर्व सभापति स्वर्गीय डॉ शंकर दयाल शर्मा के व्यवहार को बना लेना चाहिए। अन्यथा किरकिरी धनकड़ साहब की ही होने वाली है। जया बच्चन का कुछ नहीं बिगड़ने वाला। इस मामले में भाजपा के नेतृत्व से कोई अपेक्षा करने का कोई अर्थ नहीं है। देखिये राजयसभा में कटुता की बेल मुरझाती है या और फैलती है।? मेरी मुश्किल है कि मै न जया बच्चन को सराहना चाहता हूँ और न धनकड़ साहब को । जया जी को भी समझना चाहिए की वे 1971 वाली जया नहीं हैं। वे 2024 की जया बच्चन हैं। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

बुद्धदेब भट्टाचार्य:मार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा थे

आर्थिक उदारवाद लागू करने और पूंजीवाद के साथ तालमेल बिठाने वाले बंगाली गोर्बाचोव, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर मार्क्सवादी नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य का 80 साल की उम्र में आठ अगस्त को बालीगंज स्थित उनके पाम एवेन्यू आवास पर निधन हो गया। उनका निधन राजनीति के साथ साहित्य एवं संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। बंगाल के बौद्धिक चिंतकों, लेखकों, कवियों, नाटयकर्मियों और सिने जगत के लोगों के बीच बुद्धदेब बेहद लोकप्रिय थे। उनकी पार्टी के कुछ कॉमरेड उन्हें मार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा मानते थे। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे एवं सतरंगी रेखाओं की सादी तस्वीर थे। एक व्यावहारिक कम्युनिस्ट के रूप में उन्होंने उदारवाद और पूंजीवाद के बीच संतुलन बनाने का साहसिक कार्य करते हुए लोक-कल्याण की भावना को आकार दिया, जो उनके बड़े मानुष का बड़प्पन ही था। पश्चिम बंगाल में वंचित वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के उल्लेखनीय प्रयास उनके द्वारा किये गये। उनकी लोकप्रियता उनके दल से परे भी पसरी हुई थी, इसीलिए उनके निधन की सूचना से समूचे देश के राजनीतिक माहौल में शोक व्याप्त हो गया, जबकि वे पिछले 13 वर्ष से सक्रिय राजनीति से दूर थे। पर लोग इस आधुनिक कॉमरेड को भूले नहीं थे और न भूल पाएंगे। वे भारत के धर्मनिरपेक्ष और गणतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा के प्रति गहरे रूप से प्रतिबद्ध थे।

एक कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री के औद्योगिकीकरण और पूंजी को न्योतने के प्रयास आश्चर्यचकित कर देते थे। बुद्धदेब भट्टाचार्य की विरल विशेषता थी कि वे प्रारंभ में पूंजीपतियों के विरोधी थे, तो 1991 के बाद हुए सोवियत संघ के विघटन के बाद बाजारवाद एवं पूंजीवाद के समर्थक हो गये। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु लगातार 24 वर्ष मुख्यमंत्री रहे थे। तभी बुद्धदेब भट्टाचार्य को उप-मुख्यमंत्री बनाकर सीपीएम उनकी ताजपोशी की तैयारी पहले से कर रही थी। तब स्वयं बुद्धदेब भी असमंजस में थे कि ज्योति बसु जैसे वटवृक्ष का उत्तराधिकार वह संभाल पाएंगे या नहीं? लेकिन जब मौका आया तो उन्होंने इस बड़ी जिम्मेदारी को बेखूबी निभाया। प्रदेश से बेरोजगारी खत्म करने के लिए पश्चिम बंगाल में उद्योगों को बढ़ावा देने की ठानी। उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिये, रोजगार वृद्धि एवं बंगाल के आर्थिक विकास के लिये औद्योगिक-क्रांति को बल दिया। बतौर मुख्यमंत्री, उन्होंने अपना पूरा ध्यान बेरोजगारी की समस्या दूर करने पर लगाया, जिसकी वजह से बड़ी तादाद में युवा पलायन के लिए मजबूर हो रहे थे। उन्होंने बंगाल में उद्योग और निवेश को लाने के लिए नारा दिया था, 'डू इट नाउ, इसे अभी करो।'

बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को बढ़ाया तथा सच्चर कमिटी और रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्टों के आने के बाद इसमें अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के एक अहम हिस्से को शामिल करने के प्रावधान किये। उन्होंने राज्य की सुस्त नौकरशाही को दुरुस्त करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा कि वह एक राजनीतिक दिग्गज थे, जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की।' बुद्धदेव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद बंगाल के माहौल को बदलना शुरू किया। उनकी अपनी लोकप्रियता भी बढ़ी, उनके नेतृत्व में वामपंथियों ने साल 2001 और 2006 में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। हर नेता का एक समय आता है, जब चीजें हाथ से निकलने लगती हैं। सिंगुर व नंदीग्राम आंदोलन के समय बुद्धदेब के साथ ही वामपंथी शासन की भी उल्टी गिनती तेज हो गई थी। उनके नेतृत्व की वाम मोर्चे की आखिरी सरकार द्वारा किये गये सही और गलत कामों को लेकर अलग-अलग मत आज तक बरकरार हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण तथा युवाओं के लिए राज्य के भीतर रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराने का उनका अधूरा सपना अभी भी बेहद प्रासंगिक बना हुआ है।

लम्बी राजनीतिक पारी खेलते हुए बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राजनीति जीवन में जिन गुणों का प्रदर्शन किया, वैसे गुण अब सत्ताधारियों में मुश्किल से मिलते हैं। सार्वजनिक जीवन में वे शुचिता एवं सादगी का पर्याय बनकर स्थापित हुए। सत्ता में रहते हुए और जीवन के अंतिम पलों तक एक सामान्य दो कमरे के अपार्टमेंट में उनका निवास रहा। बुद्धदेब सरकारी खर्चे के तामझाम से कोसों दूर रहे। अधिकांश मौकों पर वे धोती कुर्ता में ही नजर आते थे। वेतन का अधिकांश हिस्सा वे पार्टी कोष में जमा करा देते थे और पत्नी के वेतन से परिवार का खर्च चलाया करते थे। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। बुद्धदेबजी के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की राजनीति, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं।

अपने लंबे सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में वे हमेशा ईमानदारी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने रहे। साल 1993 में उन्होंने कुछ गलतियों के विरोध में वाम मोर्चा सरकार से इस्तीफा दे दिया था। ज्योति बसु के मनाने पर कुछ महीने बाद वे फिर से मंत्री बने। उस दौरान उन्होंने एक बंगाली नाटक लिखा, जिसमें उन मूल्यों के पतन पर विचार किया गया है, जो वाम आंदोलन ने कभी अपनाया था। अपनी पीढ़ी के नेताओं में वे सबसे अधिक साहित्य, कला एवं संस्कृति के परिवेश से जुड़े हुए थे। सोवियत संघ के पतन के अनुभवों कारण ही वे अनेक मार्क्सवादी-लेनिनवादी धारणाओं पर सवाल उठाते थे। जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। वे गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। भट्टाचार्य का जन्म 1 मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में एक विद्वान पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। वह प्रसिद्ध बंगाली कवि सुकांत भट्टाचार्य के दूर के रिश्तेदार थे, जिन्होंने आधुनिक बंगाली कविता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें खुद एक सफल लेखक के रूप में जाना जाता है और वह विभिन्न परिस्थितियों में रवींद्रनाथ टैगोर को उद्धृत करने में माहिर थे। उन्होंने 1992 में बाबरी ध्वंस के समय 'दुष्शामाई' (बैड टाइम्स) नामक नाटक लिखा।

बुद्धदेव साहसी नेता थे। वे पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक तरह से देंग और गोर्बाचोव की तरह ही थे लेकिन उन्हें इन दोनों से अपनी तुलनाएं पसंद नहीं थीं। उन्होंने कृषि आय पर आश्रित पश्चिम बंगाल को अद्यौगिकीकरण की राह पर लाकर अपने राजनीतिक कैरियर का सबसे बड़ा जोखिम लिया था। उद्योग धंधों की स्थापना के लिए उन्होंने विदेशों से और देश के ही दूसरे राज्यों से पूंजी लाने के लिए मार्क्सवादी सिद्धांतों से समझौता भी किया। भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में बुद्धदेबजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति नहीं, नेता नहीं, बल्कि विचार एवं मिशन थे। उनको एक सुलझा हुआ और कद्दावर नेता, जनसेवक एवं सृजनकर्मी माना जाता रहा है। उनका निधन एक आदर्श एवं बेबाक सोच की राजनीति का अंत है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे।

बुद्धदेव भट्टाचार्य की दिलचस्पी का दायरा राजनीति से इतर साहित्य, थिएटर, सिनेमा और संगीत तक फैला हुआ था। वे घंटों टैगोर की कविताओं को सुना सकते थे और पाब्लो नेरूदा की कविताओं का जिक्र कर सकते थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य नामचीन बंगाली वामपंथी कवि सुकांतो भट्टाचार्य के भतीजे थे और मंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ नाटक लिखे जिनका मंचन भी हुआ। बुद्धदेव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, प्रखर लेखक, सृजनकर्मी, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। वे बंगाल की राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। (लेखक--ललित गर्ग/ ईएमएस)

भूजल का प्रबंधन

भूजल का गिरता स्तर और इसकी वजह से निकट भविष्य में गहराने वाले संकट के मसले पर पिछले कुछ वर्षों से निरंतर चर्चा होती रही है। इस चिंता के मद्देनजर न सिर्फ हिंदुस्तान। बल्कि वैश्विक पैमाने पर सम्मेलनों और सेमिनारों में आने वाले दिनों में पानी कि किल्लत को लेकर चेतावनी दी जाती रही है। लेकिन चिंता जताना और संकट का निदान करना अलग-अलग बातें हैं। यह सही है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से जल संकट को लेकर तमाम कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं तो इनका मकसद चुनौतियों को पार पाना ही है। लेकिन यह भी कड़वा सच है कि स्थानीय हालात और जरूरत के आधार पर यदि कोई पहल कदमी होती है। तभी इस संकट से निजात पाने की उम्मीद की जा सकती है।

इस लिहाज से देखें तो 25अकटूबर 2019को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 95वी जयंती के मौके पर अटल भूजल योजना की शुरुआत इस दिशा में एक अहम कदम है। इस योजना को वर्ल्ड बैंक मंजूरी दे चुका है। दिलचस्प बात है कि यदि उक्त योजना वृहद रूप में 2025तक भी पूर्ण रूप से धरातल पर उतरती है तो इससे फिलहाल सात राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र के 8350 गांवों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

दरअसल भूजल के तेजी से गिरते स्तर को लेकर चिंता लंबे समय से जताई जाती रही है।लेकिन इस गहराती समस्या का निदान कैसे हो। इसकी दिशा अभी पूर्ण तौर पर स्पष्ट नहीं हैंन सिर्फ वर्षा से जल के संरक्षण के पहलू पर कोई बड़ी कार्य योजना धरातल पर उतर सकी हैन अन्य स्त्रोतों की वास्तविक स्थिति का आकलन करके उसके समाधान को लेकर ठोस पहल हुई है।

हालांकि लखनऊ में अटल भूजल योजना की शुरुआत से तकरीबन छह माह पहले प्रधानमंत्री ने पानी की एक एक बूंद के संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान प्रारंभ करने पर जोर दिया था। यह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि भूजल के स्तर और समग्र पैमाने पर जल की उपलब्धता को लेकर सरकार फिक्रमंद अवश्य है। लेकिन इस संकट से निदान हेतु एक समग्र योजना के साथ जमीनी अमल अभी बाकी है। समस्या यह है कि बड़े पैमाने पर पानी का उपयोग और उसकी बर्बादी करने वालों पर किसी ने भी अभी तक लगाम नहीं लगाई है। यह गांवों और शहरों में बर्षा जल के संरक्षण को लेकर सजगता नहीं होने और इससे उत्पन्न होने वाली समस्या से इतर एक पहलू है। जिसमें भारी मात्रा में पानी की बर्बादी होती है। सवाल है कि जल संरक्षण को लेकर जताईं जाने वाली चिंता के मद्देनजर क्या इस समस्या के बुनियादी पहलूओ पर भी गौर किया जाएगा।

हमारे मुल्क में ऐसे तमाम इलाके हैं। जहां भूजल का स्तर चिंता जनक स्तर तक नीचे चला गया है। इसका असर फसलों के उत्पादन के चक्र पर पड़ा है। जिसमें सिंचाई के लिए ज्यादा पानी की जरूरत वाली फसलें बुरी तरह प्रभावित हो रही है। हाल के दिनों में यह राय सामने आई है कि सिंचाई के लिए भूजल के बढ़ते संकट के मद्देनजर कम पानी की जरूरत वाली वैकल्पिक फसलें उगाने और सूक्ष्म सिंचाई की और कदम बढ़ाने की जरूरत है। हालांकि यह किसी से ढक छिपा नहीं है कि हमारे मुल्क में पानी के संरक्षण के कई पारंपरिक तौर तरीके चलन में रहे हैं। लेकिन यह समझना मुश्किल है कि आखिर किन कारणों से हम उन परंपराओं से दूर होते गए। आखिर ऐसा कैसे संभव हुआ कि अपने शोध-पत्र जीवन के स्त्रोत के रूप में पानी की अहमियत को गौण हो जाने दिया और नतीजतन आज भूजल के गिरते स्तर से लेकर प्यास तक एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने है। समाज और सरकार की जिम्मेदारी के बरक्स पानी आज लगभग पूरी तरह बाजार के हवाले हो गया है। इतना तय है कि संकट का सही आकलन और उसके मुताबिक हल निकालने की कोशिश समय रहते शुरू नहीं की गई तो समस्या बेहद विकराल रूप धारण कर सकती है।(लेखक- मुकेश तिवारी/ ईएमएस)

(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8095

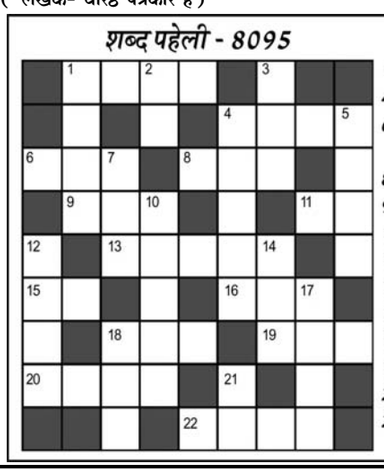

बाएँ से दाएँ

1.जंगल की आग-4
4.अयोग्य,नालायक-4
6.बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8.तैयार होना-3
9.जीभ,जिव्हा-3
11.पाश,फंदा,-2
13.नामकरण करना-2,3
15.मेरा(सं.-2)
16.खाद्य सामग्री-3
18.तहत-3
19.कक्ष,रूम-3
20.भरोसा,विश्वास-4
22.सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1.दागी,धब्बेवाला-4
2.गीलापन,तर होना-2
3.दुनिया,जगत-3
4.अदा,हाव-भाव-5
5.भरा हुआ-4
7.टपकना,गिरना-3
10.नाम रखना-5
12.एकमत-4
14.भक्षक,विनाशकारी-3
17.खारा,क्षारीय-4
18.वन,जंगल-3
21.लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8094 का हल

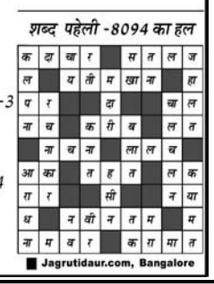

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस ओलंपिक : विवादों में रही अल्जीरियाई मुक्केबाज खलीफा ने स्वर्ण जीता

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में जेंडर को लेकर विवादों में रही अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफा ने बड़ी आसानी से स्वर्ण पदक जीत लिया है। खलीफा ने महिलाओं के 66 किग्रा भार वर्ग के खिताबी मुकाबले में चीन की यांग लियू को 5-0 से हराया। खलीफा की जीत के साथ ही अल्जीरिया ने ओलंपिक में दूसरा पदक जीता है। मुकाबले में चीनी खिलाड़ी उसके सामने टिक नहीं पायी।

खलीफा को लेकर विवाद इसलिए है क्योंकि वह पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के लिंग परीक्षण में असफल होने के कारण मुकाबले से बाहर कर दी गयीं थीं। खलीफा तब ट्रांसजेंडर घोषित की गयीं थीं। अयोग्य घोषित कर दिया गया था। खलीफा को लेकर विवाद पहले ही मुकाबले से शुरु हो गया जब उसने इटली की एंजेला कैरिनी को मुकाबले में उतरते ही हरा दिया। कैरिनी 46 सेकंड बाद ही मुकाबले से हट गयीं थीं। इसके बाद उसे महिला वर्ग से बाहर करने की मांग की गयी थी पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आईओसी) ने इंकार कर दिया था।

स्वर्ण जीतने के बाद खलीफा ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। आठ साल से यह मेरा सपना था और मैं अब ओलंपिक चैंपियन बन गयी हूं। उसकी जीत के साथ ही अल्जीरियाई दर्शकों का जश्न शुरु हो गया। खलीफा ने इस दौरान लोगों का आभार जताते हुए कहा कि मैं उन सभी लोगों के प्रति आभारी हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया है। 1.79 मीटर लंबी इमान ने पूरी प्रतियोगिता के दौरान अपनी ताकत का जमकर इस्तेमाल किया। फाइनल मैच में उन्होंने पूर्व विश्व चैंपियन यांग लियू को कोई अवसर नहीं दिया और जमकर प्रहार किये। उन्हें इस मैच में 5-0 की एकतरफा जीत मिली। इससे पहले अपने सभी मैचों में खलीफा को एकतरफा जीत मिली थी।

महिला पहलवान रितिका पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची,काइजी से होगा मुकाबला

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान रितिका

जब.....हरे रामा हरे कृष्णा का नारा लगाते हुए सड़कों पर उतरे हिंदु, हिल गई बांग्लादेश सरकार

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में राजनीतिक तख्तालपलट के बाद से हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है। उसके बाद से हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हालांकि यहां हिंदुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया है। हरे रामा हरे कृष्णा के नारे लगाए हैं। बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग सड़कों पर उतरे हैं। खुद के प्रति अत्याचार का विरोध करने का ये अनोखा रास्ता बांग्लादेश के हिंदुओं ने निकाला है।

वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश में ही हिंदुओं के प्रति नफरत और हिंसा अभी भी जारी है। सोशल मीडिया पर हिंदू लड़की को कुछ मुस्लिम लड़कों द्वारा घेरकर लड़की को टार्चर करने का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। जहां भारत में अल्पसंख्यों को बराबर के अधिकार दिए गए हैं। यहां पर अल्पसंख्यकों को विशेषाधिकार देने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन भारत के उलट पड़ोसी देशों में हिंदुओं पर अत्याचार लगातार जारी है।

बांग्लादेश में भिड़की हिंसा में अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। दो हिंदू नेताओं की सिराजगंज और रंगपुर में हत्या कर दी गई, जो हसीना की अवामी लीग पार्टी के नेता थे। उन्होंने कहा कि परिषद अभी और जानकारी एकत्र कर रही है। हमलावरों ने दुकानों, मंदिरों और घरों में लूटपाट की और हिंदू महिलाओं पर हमला किया। जिन जिलों में धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके घरों या व्यवसायों पर हमला हुआ है। उसमें पंचगढ़, दिनाजपुर, रंगपुर, बोगुरा, सिराजगंज, शेरपुर, किशोरगंज, पश्चिम जशोर, मगुरा, नरैल, दक्षिणपश्चिम खुलना, पटुआखली, सतखीरा, मध्य नरसिंगडी, तंगैल, उत्तर पश्चिम लक्खीपुर, फेनी, चटगांव और हबीगंज शामिल हैं।

अंतरिम सरकार को अवैध घोषित करने की साजिश, प्रदर्शनकारियों की चेतावनी.....चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन का इस्तीफा

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में शनिवार को फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने ढाका में सुप्रीम कोर्ट को घेर कर चीफ जस्टिस सहित सभी जजों को एक घंटे के भीतर इस्तीफा देने को कहा। प्रदर्शन को बढ़ता देख बांग्लादेश के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन ने न्यायपालिका के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर जज और चीफ जस्टिस हसन इस्तीफा नहीं देते हैं, तब वे उनके आवासों पर धावा बोल दिया जाएगा। हाल ही में बांग्लादेश में हुए जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। शनिवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिन्होंने बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया, उसमें अधिकतर प्रदर्शनकारी छात्र हैं और मुख्य न्यायाधीश के तत्काल इस्तीफे की मांग कर रहे थे। दरअसल खबर आई थी कि चीफ जस्टिस ने फुल कोर्ट मीटिंग बुलाई है, जिससे प्रदर्शनकारी भड़क गए। छात्रों और वकीलों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारी सुप्रीम कोर्ट की ओर बढ़ने लगे। अब्दुल मुकद्दिम नामक एक प्रदर्शनकारी ने दावा किया कि मुख्य न्यायाधीश अंतरिम सरकार को अवैध घोषित करने की साजिश रच रहे हैं। मुकद्दिम ने कहा, फासीवादी अंतरिम सरकार को अवैध घोषित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए हम चीफ जस्टिस को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट परिसर में आए हैं। अंतरिम सरकार के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ महमूद ने भी मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन के बिना शर्त इस्तीफे और फुल कोर्ट मीटिंग को रद्द करने की मांग की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तनाव के बीच चीफ जस्टिस ने जजों की बैठक स्थगित कर दी। इस बीच कानून मंत्रालय ने छात्रों और नागरिकों के हालिया बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों को दबाने के इरादे से 1 जुलाई से 5 अगस्त के बीच दर्ज सभी मामलों को वापस लेने के लिए तीन कार्य दिवसों के भीतर कदम उठाने का फैसला किया है।

इसके पहले अंतरिम सरकार में कानूनी सलाहकार (मंत्री) प्रोफेसर आसिफ नजरुल ने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा की रक्षा के लिए मुख्य न्यायाधीश को अपने भाग्य का फैसला करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सीजेआई को लोगों की मांगों का सम्मान करना चाहिए। प्रदर्शनकारी नेताओं की शिकायतों का जिक्र करते हुए नजरुल ने कहा कि मैंने छात्रों की शिकायतें देखी हैं। मुख्य न्यायाधीश ने जिस तरह से फुल कोर्ट मीटिंग बुलाई थी, वह पराजित निरंकुश ताकतों के पक्ष में एक कदम लग रहा था।

उधर अवामी लीग पार्टी की कट्टर प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा कि भारत में रहने का पूर्व प्रधानमंत्री का फैसला पूरी तरह से उनका और भारतीय अधिकारियों का है, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि बांग्लादेश के लोग अच्छे नजरिए से नहीं देखते है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के प्रवक्ता अमीर खसरू महमूद चौधरी ने कहा कि अभी, वे (हसीना) बांग्लादेश में हत्याओं और लोगों को जबरन गायब करने से लेकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार जैसे कई अपराधों में सबसे वांछित व्यक्ति हैं। हाल ही में बांग्लादेश में हुए जबरदस्त विरोध प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

बांग्लादेश में हिंसा से व्यापार ठप, गुजरात के व्यापारियों का अटका 1200 करोड़

- भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश में चल रही हिंसा की वजह से वहां कारोबार पूरी तरह से ठप हो गया है, ?जिससे गुजरात के व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ा झटका दिया है। बांग्लादेश में ?हिंसा से गुजरात के व्यापारियों का 1,200 करोड़ अटका हुआ है। देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारतीय व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि बांग्लादेश में स्थिति सामान्य होगी और फिर से व्यापार चालू होगा। गुजरात से बांग्लादेश को रिएक्टिव डाईज, केमिकल्स, पिगमेंट पेस्ट, हैंडलूम उत्पाद, दवाईयां और टाइल्स का निर्यात किया जाता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और यूरोप में मंदी के बाद बांग्लादेश डाईज, केमिकल्स और इंटरमीडिएट्स जैसे सामानों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया था। लेकिन बांग्लादेश में भड़की हिंसा और सत्ता परिवर्तन ने एक बार फिर व्यापार पर ग्रहण लगा दिया है। गुजराती व्यापारियों को चिंता है कि बांग्लादेशी बैंकों द्वारा जारी लेटर्स ऑफ क्रेडिट वर्तमान में वहां की भारत विरोधी भावना के कारण सम्मानित नहीं किए जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी का कहना है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जिसमें भारत ने 12.2 अरब डॉलर मूल्य का का निर्यात किया और 1.8 अरब डालर का आयात हुआ। इस वर्ष व्यापार और बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से व्यापार ठप हो गया है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल का सूरत के कपड़ा व्यापार को सबसे ज्यादा झटका लगा है। करीब 500 करोड़ का कपड़ा कारोबार प्रभावित हुआ है। सूरत से पिछले साल 1200 करोड़ रुपए का कपड़ा बांग्लादेश को एक्सपोर्ट किया गया था।

लोक सभा में बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक पेश, बढ़ेगी पारदर्शिता

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश कर ?दिया है। इस ?विधेयक में चार मौजूदा बैंकिंग कानूनों में संशोधन किया गया है। सरकार भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम और बैंकिंग कंपनी अधिनियम में संशोधन के जरिये यह सुनिश्चित करना चाहती है कि निवेशकों द्वारा लगातार सात वर्षों तक दावा न किए गए लाभांश, शेयर, ब्याज अथवा परिपक्व बॉन्ड को निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान करना चाहती है। ऐसे में निवेशकों को आईईपीएफ अपनी रकम या रिफंड का दावा करने की अनुमति मिलेगी। इससे निवेशकों की हितों की रक्षा होगी। हालांकि, सरकार ने बैंकिंग कंपनी अधिनियम में किसी ऐसे बदलाव का प्रस्ताव नहीं किया है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के स्वामित्व ढांचे में बदलाव हो सके। सीतारमण ने अपने वर्ष 2021-22 के बजट भाषण में आईडीबीआई बैंक के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। इकनॉमिक लॉ प्रैक्टिस के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन के तहत भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम और बैंकिंग कंपनी अधिनियम के प्रावधानों को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप करने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा ?कि इन कानूनों में सामंजस्य स्थापित करते हुए यह संशोधन निजी क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए एक समान दृष्टिकोण स्थापित करता है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, निवेशकों के हितों की रक्षा होगी।

मुकेश खरीद रहे कंपनियां.....इधर अनिल के हाथ से निकल गई रिलायंस कैपिटल

मुंबई (ईएमएस)। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी के हाथ से आखिरकार रिलायंस कैपिटल निकल गई है। रिलायंस कैपिटल को खरीदने में सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स (आईआई एचएल) ने 2,750 करोड़ एक निर्धारित एस्क्रो अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को ऐसा करने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक हिंदुजा ग्रुप की कंपनी आईआईएचएल ने यह राशि एस्क्रो अकाउंट में ट्रांसफर कर दी है। कंपनी ने साथ ही बैंकों की एक बाइंडिंग टर्म शीट भी दी है। इसमें ट्रांजैक्शन की फंडिंग के लिए बैंकों के लोन का भी पूरा विवरण है।

एनसीएलटी ने आईआईएचएल को 10 अगस्त तक समाधान योजना को लागू करने और 2,750 करोड़ रुपये लेनदारों की समिति (सीओसी) द्वारा डिजाइन एस्क्रो खाते में जमा करने का आदेश दिया था। इसके पहले 1 अगस्त को रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स ने आईआईएचएल को पत्र लिख कहा था कि अगर जल्दी से जल्दी 2,750 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं हुआ तब इसके प्रतिकूल परिणाम हो सकते है। आईआईएचएल ने दावा किया था कि कंपनी के पास एस्क्रो खाते का विवरण नहीं था जिस कारण यह पैसा उसने अपने खाते में ट्रांसफर कर दिया था।

रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए आईआईएचएल ने 9,861 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी जिसे पिछले साल जून में अधिकांश लेनदारों ने मंजूरी दे दी थी। रिलायंस कैपिटल में करीब 20 वित्तीय सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने भारी कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी। कंपनी पर क्रेडिटर्स का करीब 23,666 करोड़ रुपये का कर्ज है।

जुलाई महीने में भी निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जुलाई महीने में भी छोटे और खुदरा निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। यह किसी महीने में किया गया अब तक का सबसे ज्यादा पैसा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़े से ?मिली है। इस विकल्प में निवेशकों का इसलिए सबसे ज्यादा पैसा लगा, क्योंकि इसमें ब्याज की गणना एक खास फॉर्मूले पर होती है, जिसे महान साइंटिस्ट आईंस्टीन ने आठवां अजूबा बताया था।एम्फी ने बताया है कि जुलाई महीने में एसआईपी यानी व्यवस्थित निवेश योजना के जरिये मासिक योगदान बढ़कर अब तक के सर्वाधिक स्तर 23,332 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले के महीने में यह 21,262 करोड़ रुपये था। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार 41वां महीना है जब इक्विटी फंड में निवेश प्रवाह बढ़ा है। म्यूचुअल फंड के सिप और लम्पसम दोनों तरीके से निवेश किया जा सकता है। दोनों ही तरीकों में आपको चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है। अगर आप बैंक में एफडी कराते हैं तो इस पर साधारण ब्याज ही मिलता है। कंपाउंड इंट्रेस्ट का मतलब है कि इस साल मिले ब्याज पर भी आपको अगले साल ब्याज दिया जाएगा। इस तरह साल दर साल ब्याज का पैसा मूलधन में जुड़ जाता है और आपका छोटा सा फंड भी बड़े कॉर्पस में बदल जाता है। एम्फी के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश प्रवाह जुलाई महीने में मासिक आधार पर नौ प्रतिशत घटकर 37,113 करोड़ रुपये रहा है। बड़ी, छोटी और मझोली कंपनियों से जुड़े शेयरों में निवेश में कमी से कुल प्रवाह कम रहा। हालांकि गिरावट के बावजूद जुलाई में निवेश प्रवाह का आंकड़ा किसी एक महीने में दूसरा सर्वाधिक है। जून में निवेश प्रवाह 40,608 करोड़ रुपये था।

जब.....मलेशिया की छोटी रानी की सड़ी लाश देख हिल गया रॉयल परिवार

-कालाजादू-टोना में की गई थी हत्या

ताइपिंग (ईएमएस)। मलेशिया के 62 साल के राजा जफर मुदा मूसा ने मलेशिया की 26 साल की मशहूर सुपरमॉडल हस्लेजा इशाक से थाइलैंड में दूसरी शादी की थी। रॉयल रीति-रिवाजों से हुई शादी के बाद हस्लेजा को मलेशिया की रानी का दर्जा मिला था। राजा की पहली पत्नी रानी नोर महानी के साथ ही हस्लेजा को शाही महल में रखा गया था।

राजा और हस्लेजा की शादी के कुछ समय बाद ही महल में अजीबो-गरीब घटनाएं होने लगीं। देर रात होते ही बड़ी रानी को महल में रोते-बिलखते बच्चे की आवाज सुनाई देती थी, जबकि महल में कोई बच्चा नहीं था। इतना ही नहीं महल में सिर कटे पंछी का मिलना भी आम हो चला था। कभी खून से सने हुए सैनिटरी पेड महल की छत पर मिलते, तब कभी बांस पीटने की आवाजें बड़ी रानी को परेशान करती थीं।

चंद महीने बीते ही थे कि अक्टूबर 2002 में सुपरमॉडल और मलेशिया की छोटी रानी की सड़ी हुई लाश एक ताइपिंग के झरने के पास पेड़ पर मिली। हाथ-पैर बंधे हुए थे और गला काटा गया था। हस्लेजा के कत्ल के बाद जो खुलासे हुए उससे रॉयल परिवार का स्कैंडल पूरे देश में सनसनी बन गया।

नौकरों की गिरफ्तारी केस की अहम कड़ी साबित हुई। गिरफ्तार हुए 5 नौकरों में 2 बोमोहज थे। बोमोहज, मलेशिया के उन लोगों को कहते है, जो भूत-प्रेत और आत्माओं पर काबू पाने के लिए तंत्र-मंत्र करते हैं। जबकि, बाकी 3 लोग महल के नौकर थे। जब उन लोगों से सख्ती से पूछताछ हुई तब तंत्र-मंत्र करने वाले मात साद ईसा ने हस्लेजा के कत्ल के आरोप कबूल कर कहा कि हमने हस्लेजा को किडनैप कर उसकी गर्दन काट दी। इकबाल-ए-जुर्म में मात साद ईसा ने जो खुलासे किए वे हैरान करने वाले थे। उसने बताया कि उन्होंने ये सब किसी और के नहीं बल्कि महल की बड़ी रानी मुदा नोर महानी के कहने पर किया था।

हिंदु विरोधी डॉ.एएफएम खालिद हुसैन को अंतरिम सरकार में बड़ा पद.....चिंतित भारत

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार का पदभार संभाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने नवगठित अंतरिम सरकार को शुभकामनाएं दीं और उनसे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा, जो शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद हमले का सामना कर रहे हैं।

नवगठित अंतरिम सरकार में 17 सदस्य शामिल हैं, इसमें डॉ. सालेहुद्दीन अहमद, बांग्लादेश के पूर्व चुनाव आयुक्त ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन, कानून के प्रोफेसर डॉ. एमडी नजरूल इस्लाम, मानवाधिकार कार्यकर्ता अदिलुर रहमान खान, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एएफ हसन आरिफ, बांग्लादेश पर्यावरण वकील संघ की मुख्य कार्यकारी सैयदा रिजवाना हसन आदि शामिल हैं।

हालांकि, इस सूची में शामिल चौंकाने वाले नामों में से एक इस्लामिस्ट अबुल फैज मुहम्मद खालिद हुसैन का है, जिन्हें डॉ.एएफएम खालिद हुसैन के नाम से जाना जाता है। हुसैन हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में बांग्लादेशी देवबंदी इस्लामिक संगठन से जुड़े हैं। बता दें कि हिफाजत-ए-इस्लामी एक इस्लामी संगठन है, जिसके सदस्यों पर पहले भी हिंदुओं पर अत्याचार करने के आरोप लग चुके हैं। हुसैन को बांग्लादेश ने रिलिजियस अफेयर मंत्री बना दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, डॉ. हुसैन एक बांग्लादेशी देवबंदी इस्लामी विद्वान और एक अंतरराष्ट्रीय इस्लामी वक्ता हैं। हिफाजत-ए-इस्लाम के कई अन्य नेताओं के साथ उनका शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार और भारत के साथ उसके संबंधों के खिलाफ मुसलमानों को प्रभावित करने का इतिहास रहा है।

वे हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के पूर्व उपाध्यक्ष, अता-तौहीद पत्रिका के संपादक और बालाघ अल-शर्क के सहायक संपादक हैं। उन्होंने उमरगनी एमईएस कॉलेज में इस्लामी इतिहास और संस्कृति विभाग के प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, साथ ही निजाम-ए-इस्लाम पार्टी की छात्र शाखा इस्लामी छात्र समाज के केंद्रीय अध्यक्ष भी रहे।

ईरान के सामने बड़ी चुनौती,आसान नहीं है इजरायल से बदला लेना

तेहरान(ईएमएस)। ईरान की धरती पर हमास प्रमुख इस्माइल हनीयेह की हत्या के बाद ईरान भड़क गया था। उसने इस हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार भी माना था और बदला लेने का संकल्प लिया था। अब जिस तरह के हालत बन रहे हैं उससे लगने लगा है कि ईरान के लिए बदला लेना आसान नहीं है।नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुछ कट्टरपंथियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। इस घटना ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या पर ईरान की प्रतिक्रिया के भविष्य को अधर में लटका दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार इस बात पर एकमत नहीं है कि हत्या के बाद इजरायल के खिलाफ कैसे जवाबी कार्रवाई की जाए।

आईआरजीसी कथित तौर पर तेल अवीव और अन्य प्रमुख इजरायली शहरों पर सीधे और गंभीर मिसाइल हमले की वकालत कर रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति पेजेशकियन इस आक्रामक रणनीति का विरोध कर रहे हैं। पेजेशकियन इजरायल के बाहर स्थित मोसाद के ठिकानों पर हमले की पैरवी कर रहे हैं। वह अज़रबैजान और कुर्दिस्तान में उनके ठिकानों पर हमला करना चाहते हैं।

पेजेशकियन का तर्क है कि इससे इजरायल के साथ सीधी लड़ाई का जोखिम कम हो जाएगा। खबरों के मुताबिक पेज़ेशकियन के एक करीबी सहयोगी ने बताया, पेज़ेशकियन को डर है कि इजरायल पर किसी भी सीधे हमले के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने अज़रबैजान और इराकी कुर्दिस्तान को उनकी सीमाओं के भीतर इजरायली ठिकानों पर किसी भी हमले से पहले सूचित करने का सुझाव दिया है।आईआरजीसी के एक अधिकारी ने बताया कि उनका संगठन राष्ट्रपति के अधिक संयमित दृष्टिकोण को काफी हद तक खारिज करता है। अधिकारी के हवाले से कहा,सबसे बड़ी चिंता अभी भी हिजबुल्लाह और अन्य लोगों के साथ मिलकर तेल अवीव पर हमला करना है।

मिडल ईस्ट में बज गया युद्ध का डंका, दुनियाभर की एयरलाइन्स बंद कर रहीं इन देशों की सेवा

तेहरान (ईएमएस)। हरान में हमास के मुखिया की हत्या के बाद से ईरान ने इजरायल को युद्ध के लिए तैयार रहने की खुली चुनौती दे दी है। वहीं हिजबुल्लाह और हमास के साथ इजरायल की जंग जारी है। हालात को देखते हुए एयर फ्रांस ने भी पेरिस से बेरुत के बीच की फ्लाइट को 11 अगस्त तक निलंबित कर दिया है। इसके अलावा डेल्टा एयरलाइन ने भी न्यूयॉर्क से तेल अवीव की विमान सेवा 31 अगस्त तक रोक दी है।

बता दें कि ईरान ने इजरायल पर आरोप लगाया है कि उसने ही हमास के मुखिया की उसके देश में हत्य करवाई है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने इजारायल पर हमले की धमकी भी दे दी है। ईरान के सहयोगी रूस ने भी अपनी एयरलाइन्स को नोटिस करके बता दिया है कि वे रात के समय इजरायली एयरस्पेस का इस्तेमाल ना करें। यह प्रतिबंध 9 अगस्त से 16 अगस्त तक लगाया गया है।

अल्जीरियन एयरलाइन ने लेबनान की फ्लाइट सस्पेंड कर दी है। एक जर्मन एयरलाइन ने भी मध्य एशिया में कई जगहों जैसे कि तेल अवीव, तेहरान और बेरूत की फ्लाइट पर रोक लगाई है और ईरान-इराक के एयर स्पेस के ना इस्तेमाल करने की सलाह दी है। सिंगापुर एयरलाइन्स ने भी अपने विमानों के रूट में परिवर्तन किया है ताकि उन्हें ईरानी एयरस्पेस का इस्तेमाल ना करना पड़े। ईरान और इजरायल में ठनाठनी के बीच ही अमेरिका, एजिप्ट और कतर ने एक बार फिर सीजफायर का प्रयास शुरू किया है। 15 अगस्त को होने वाली बैठक में गाजा सीजफायर और बंधकों की रिहाई पर बातचीत होनी है। इस डील को फाइनल करवाने में तीन देश प्रयास करने वाले हैं। यह बैठक दोहा में होगी। अग्रीमेंट का फ्रेमवर्क तैयार कर लिया गया है और अब इसे लागू करने पर विचार किया जाना है।

गाजा में नमाज के दौरान इजराइल का हमला.....100 लोगों की मौत

गाजा (ईएमएस)। गाजा के दाराज जिले में एक स्कूल पर शनिवार सुबह हमला हुआ। इसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मरने वालों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। इस स्कूल में कई लोगों ने शरण ले रखी थी। सुबह की नमाज पढ़ने के दौरान यह हमला हुआ। लोगों के मुताबिक एक के बाद एक 3 रॉकेट स्कूल पर गिरे। जिसके बाद स्कूल में आग लग गई।

वहीं इजराइली सेना का दावा है कि अल-तबीन स्कूल का इस्तेमाल हमास ऑफिस के तौर पर हो रहा था। उसमें हमास के कई आतंकी मौजूद थे। हमला आम नागरिकों पर नहीं किया गया है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि हमले से पहले नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचे इसके लिए उन्होंने कई कदम उठाए थे। वहां मौजूद इजराइल के इंटेलिजेंस सोर्स के जरिए भी जानकारी इकट्ठा की गई थी।

हमास प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि हमले में करीब 100 लोग मारे गए हैं। दर्जनों घायल हुए हैं। स्कूल में फिलिस्तीनियों ने पनाह ली थी। यह भयावह हमला है। इससे पहले गुरुवार को भी गाजा में दो स्कूलों पर इजराइली सेना ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए थे।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन राजीव गौबा की जगह कैबिनेट सचिव नियुक्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन को शनिवार को राजीव गौबा की जगह कैबिनेट सचिव नियुक्त किया गया। तमिलनाडु कैडर के 1987-बैच के आईएएस अधिकारी सोमनाथन अब तक केंद्रीय वित्त सचिव और सचिव व्यय के रूप में कार्यरत थे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30।08।2024 से दो साल के कार्यकाल के लिए कैबिनेट सचिव के रूप में टीवी सोमनाथन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने टीवी सोमनाथन को कैबिनेट सचिव के रूप में कार्यभार संभालने तक कैबिनेट सचिवालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल डयूटी के रूप में नियुक्ति की भी मंजूरी दी है।

इसी के साथ 1982 बैच के झारखंड कैडर के अधिकारी राजीव गौबा भारत के सबसे लंबे समय तक कैबिनेट सचिव रहने वाले अधिकारी बन गए हैं। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती पीके सिन्हा का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो चार साल से कुछ अधिक समय तक पद पर रहे थे। गौबा से पदभार ग्रहण करने की दौड़ में टीवी सोमनाथन के अलावा दो और अधिकारी भी थे। मगर बाजी उन्होंने मार ली।

टीवी सोमनाथन के अलावा गुजरात के मुख्य सचिव राज कुमार और जल शक्ति सचिव विनी महाजन कैबिनेट सचिव की रेस में सबसे आगे थीं।

कैबिनेट सचिव बनने से पहले तमिलनाडु कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी टीवी सोमनाथन को अप्रैल 2021 में पीएम के नेतृत्व वाली नियुक्ति समिति द्वारा वित्त सचिव नियुक्त किया गया था। टीवी सोमनाथन का लंबा कार्यकाल विश्व बैंक में था। टीवी के वित्तीय कौशल का इतना सम्मान था कि विश्व बैंक के तत्कालीन चीफ ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से उन्हें निर्धारित समय से आगे विश्व बैंक में काम करने देने का अनुरोध किया था। मनमोहन सिंह ने उस अनुरोध स्वीकार कर लिया था। वहीं पीएम मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को टॉप फोकस पर रखे हुए हैं। यही मुख्य कारण हो सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा वित्त सचिव को कैबिनेट सचिव बनाने का फैसला किया हो।

शेख हसीना ने नहीं दिया इस्तीफा.....संविधान के मुताबिक अभी भी देश की पीएम

हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बड़ा दावा किया

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बड़ा दावा किया है कि बांग्लादेश छोड़ने से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इस हिसाब से आधिकारिक रूप से मेरी मां हसीना ही प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब थे, कि उन्हें इस्तीफा देने का वक्त ही नहीं मिला और भारत आना पड़ गया।

वाजेद ने कहा कि संविधान के मुताबिक शेख हसीना अब भी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, मां ने सार्वजनिक बयान जारी करने और फिर इस्तीफा देने का प्लान बनाया था। लेकिन तभी प्रदर्शनकारी पीएम आवास तक पहुंच गए। तब समय ही नहीं बचा था। मां ने अपना सामान तक नहीं पैक किया था।

इतना ही नहीं उनके बेटे ने दावा किया है कि वे वापस बांग्लादेश जाएंगी। हालांकि यह नहीं बताया है कि उनकी बांग्लादेश वापसी कब होगी। इसके अलावा वह राजनीति में सक्रिय रहेंगी या नहीं?

वाजेद ने कहा कि बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने बिना प्रधानमंत्री के इस्तीफा दिए ही संसद भंग कर दी। उन्होंने कहा कि कोर्ट के जरिए राष्ट्रपति के फैसले को भी बदला जा सकता है। वाजेद शेख हसीना के राजनीतिक सलाहकार हैं। उन्होंने कहा कि जब भी बांग्लादेश में चुनाव होगा तब आवामी लीग भी चुनाव में उतरेगी।

भारत हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी, हमारे लिए आपसी संबंध ज्यादा अहम

-खालिदा जिया की पार्टी के महासचिव बोले-हसीना का शासन दमनकारी था

ढाका,(ईएमएएस)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा है शेख हसीना का शासन दमनकारी शासन था जिसकी वजह से बांग्लादेश के लोगों में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया विदेशी शक्तियों की संलिप्तता का नैरेटिव बना रहा है जबकि हसीना को हटाने में कोई विदेशी ताकत शामिल नहीं है। भारत को शेख हसीना को शरण देने से पहले सोचना चाहिए था। हसीना सरकार के दौरान हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ़ करीब 6 मिलियन मामले दर्ज किए गए और मैं भी 11 बार जेल गया। हमने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि हसीना सरकार ने सभी सरकारी संस्थानों का राजनीतिकरण कर दिया था। हसीना के जाने से देश में उत्सव है। सभी राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। बीएनपी एक लोकतांत्रिक पार्टी है, हमारे पास एक संविधान है। उन्होंने कहा कि बीएनपी के उपाध्यक्ष तारिक रहमान वापस आएंगे। खालिदा जिया हमारी नेता हैं, उनकी अनुपस्थिति में तारिक हमारे नेता हैं।

जमात-ए-इस्लामी से बीएनपी के गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीएनपी पूरी तरह से उदार और लोकतांत्रिक पार्टी है जबकि जमात इस्लाम के लिए प्रतिबद्ध है, हम अलग-अलग दल हैं और गठबंधन परिस्थितियों पर निर्भर करता है। हमारे लिए आपसी संबंध ज्यादा अहमियत रखते है।

भारत का जिक्र करते हुए आलमगीर ने कहा कि भारत को केवल बांग्लादेश की एक पार्टी के साथ संबंध नहीं रखना चाहिए। भारत हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी है। लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सभी देश हमारे मित्र होने चाहिए। बांग्लादेश में लोकतंत्र की अनुमति दी जानी चाहिए और शेख हसीना को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। कोई भी उन्हें शरण क्यों नहीं दे रहा है? शेख हसीना को शरण देने से पहले भारत को सोचना चाहिए, इससे लोगों के आपसी रिश्ते प्रभावित होंगे।

उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की घटना को गलत

वडोदरा में रीलों के घेरे में तीन सवारियों वाली बाइक पर स्टंट करते हुए नबीर का एक वीडियो वायरल हो गया है

वडोदरा,10 अगस्त

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि रील बनाने के लिए ओवर ब्रिज पर ट्रिपल बाइक चला रहा युवक अपनी और दूसरों की जान खतरे में डाल रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए लोग किसी भी तरह का जोखिम उठाने से पहले नहीं हिचकिचाते। ऐसे मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं. इसके बाद पुलिस कार्रवाई भी करती है, लेकिन लोग नहीं रुकते.

हाल ही में वडोदरा के सोशल मीडिया गलियारों में एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें युवक बाइक पर तीन सवारी लेकर चल रहे हैं। इसी बीच ड्राइवर एक हाथ में बाइक का स्टीयरिंग और दूसरे हाथ में मोबाइल फोन लेकर चलती बाइक पर खड़ा हो जाता है और कुछ रिकॉर्ड करता नजर आता है.

प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि वीडियो अटल ब्रिज का है. वीडियो के वायरल होने के बाद, पुलिस हरकत में आ गई है और वीडियो में दिख रहे युवक का पता लगाने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। जिस सीन में युवक तीन सवारी बाइक पर बैठकर रील बनाते थे, वहां ऐसी स्थिति थी कि कई लोगों की जान खतरे में पड़ सकती थी.

शिक्षा विभाग सड़ा हुआ महसूस करता हैः कपडवंज तालुक के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में डमी शिक्षक की शिकायत

वडोदरा,10 अगस्त

ऐसा लग रहा है जैसे प्रदेश में शिक्षा विभाग राम भरोसे चल रहा है. एक-एक कर शिक्षकों को नौकरी से निकाला जा रहा है. जिस तरह से मामले सामने आ रहे हैं उससे तो यही लगता है कि सरकारी स्कूल में किस स्तर की ललियावाड़ी चल रही है. दांता तालुक के पंचाणी शिक्षक और वावना उचपा के शिक्षक के मामले के बाद अब कपडवंज तालुक के माल इटाडी गांव के डमी शिक्षक का मामला सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कपडवंज तालुक के माल इटाडी पागी भाग के सब-पैरा वांटा शिवपुरा सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक डमी शिक्षक द्वारा ऋण लेने का एक वीडियो आज वायरल हो गया और इस मामले में एक शिकायत के रूप में खेड़ा जिला डीपीईओ से शिकायत की गई है। अब जांच करेंगे.

माल इटादी पागी भाग के सब पैरा वांटा शिवपुरा सरकारी स्कूल की जांच के दौरान सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक की जगह डमी शिक्षक द्वारा पढ़ाए जाने की शिकायत सामने आई है। हालांकि अभी तक कोई जांच नहीं हुई है. लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इस घटना की गहनता से जांच की जाए तो बड़ी गड़बड़ी सामने आ सकती है. सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के विवरण के अनुसार, यह देखा गया कि कपडवंज तालुका के शिवपुरा में मुख्य शिक्षक के बजाय एक फर्जी शिक्षक छात्रों को पढ़ा रहा है। चर्चा है कि जो सरकारी शिक्षक था, उसकी जगह फर्जी शिक्षक स्कूल जा रहा है और असली शिक्षक उसकी जगह सरकारी वेतन ले रहा है.

मासूम बच्चों ने यह भी कहा कि मूल शिक्षक की जगह कोई अन्य बाहरी शिक्षक आ रहा है. जब इस बारे में फार्म के डीपीईओ से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें मीडिया के माध्यम से इस बारे में पता चला और हमने पहले ही प्रारंभिक जांच कर ली है. जिसमें यह पता चल गया है कि मूल शिक्षक किताबें लेने कहां गए थे। जबकि कुछ समुदायों ने प्राचार्य को लिखकर दिया है कि मूल शिक्षक प्रतिदिन आते हैं. हालांकि इस संबंध में कल आमने-सामने निरीक्षण कर गहन जांच की जायेगी.

उचपा प्राइमरी स्कूल बनासकांठा के सीमावर्ती वाव तालुक में स्थित है। इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की पंजीकरण संख्या 321 है। स्कूल में कुल 11शिक्षक हैं जो कक्षा 1 से 8 तक के सभी बच्चों को पढ़ाते हैं। 11 शिक्षकों में से एक शिक्षक पिछले दो वर्षों से लगातार या अनुपस्थित है, इसलिए स्कूल में अब 10 का स्टाफ है और एक शिक्षक की कमी है। इस विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक के क्लास टीचर दर्शनभाई चौधरी पिछले 10-11-2022 से लगातार अनुपस्थित हैं। अनुपस्थिति की सूचना स्कूल प्राचार्य को नहीं दी जाती है।

इसलिए इस गंभीर लापरवाही को लेकर इस शिक्षक के निर्धारित समय सीमा के भीतर लगातार अनुपस्थित रहने के संबंध में सेंटर स्कूल, वाव तालुका प्राथमिक अधिकारी के साथ-साथ जिला शिक्षा अधिकारी को भी लिखित रिपोर्ट दी गई है. लेकिन, यह शिक्षक पिछले दो साल बाद भी अनुपस्थित क्यों हैं? जिला शिक्षा अधिकारी या तालुका शिक्षा अधिकारी ने इसकी जांच करने की जहमत नहीं उठाई। गंभीर आरोप लगे हैं कि बनासकांठा के तीर्थस्थल अंबाजी के पास पांचा गांव की प्राइमरी स्कूल टीचर पिछले 8 साल से अमेरिका में रह रही हैं लेकिन स्कूल रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज है. ऐसी शिकायतें सामने आई हैं कि विदेश में ग्रीन कार्ड धारक शिक्षक को साल में एक बार स्कूल में उपस्थित होकर लाखों रुपये का वेतन लेना पड़ता है।

अंबाजी से सात किलोमीटर दूर पंचा गांव के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका के रूप में काम करने वाली भावनाबेन पटेल पिछले8वर्षों से अमेरिका में बस गई हैं। हालांकि,गंभीर आरोप है कि उनका नाम अब भी कक्षा पांच की प्रधान शिक्षिका केतौरपर चल रहा है. उनके पास ग्रीन कार्ड भी है. वह साल में केवल एक बार गुजरात आते हैं और परीक्षा देने के बाद उन्हें दो लाख रुपये का वेतन मिलता है।

एक और 'मैडम' पोल खुलीः खेड़ा में एक साल से शिक्षक नदारद, नोटिस का जवाब भी नहीं दे रहे

वडोदरा ,10 अगस्त

प्रदेश में एक के बाद एक दबंग शिक्षकों की पोल खुलती जा रही है. दांता तालुका के पांचा शिक्षक और वावना उचपा के शिक्षक के मामले के बाद अब खेड़ा से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है. जिसमें सरकारी स्कूल की मैडम ने एक साल से पैर नहीं रखा है और बिना एनओसी लिए विदेश में स्थायी रूप से बस गई हैं। जिससे बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया गया है। बच्चों की पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नडियाद तालुक के हताज प्राइमरी स्कूल में कार्यरत शिक्षिका सोनलबेन परमार 1 सितंबर 2023 से लगातार अनुपस्थित हैं, उन्होंने पिछले 11 महीनों से स्कूल में कदम नहीं रखा है. यह बात सामने आई है कि सोनलबन बिना किसी तरह की एनओसी लिए अमेरिका चली गईं.

चूंकि प्रधान शिक्षक ने इसकी सूचना जिला शिक्षा विभाग को दे दी है, इसलिए उनकी अनुपस्थिति पर पर्दा डाला जा रहा है. इसलिए शिक्षा विभाग ने शिक्षिका सोनलबेन को नोटिस जारी किया है, लेकिन सोनलबेन ने अभी तक किसी भी तरह का जवाब नहीं दिया है. जिससे इस विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. इस स्कूल में 500 से ज्यादा छात्र पढ़ते हैं.

कालाघोड़ा सर्कल के पास रात में नशे में धुत ड्राइवर ने ट्रैफिक सिग्नल और डिवाइडर तोड़ा

वड़ोदरा डिंक एंड ड्राइवः वड़ोदरा के कालाघोड़ा इलाके में आधी रात के बाद जब चार दोस्त कार में निकले तो नशे में धुत एक कार चालक ने ट्रैफिक सिग्नल तोड़ दिया और एक छाता गिरा दिया.

वारसिया के रवि देवजानी सुबह करीब 3 बजे वडोदरा के कालाघोड़ा के पास अपने दोस्तों के साथ स्टेशन की ओर जा रहे थे, तभी कालाघोड़ा ट्रैफिक सर्कल के पास एक कार ने स्टीयरिंग से नियंत्रण खो दिया और ट्रैफिक पुलिस की छतरी और सिग्नल को तोड़ दिया। डिवाइडर से टकराकर छतरी करीब 50 फीट नीचे गिरी और डिवाइडर भी टूट गया।

सयाजीगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार चालक रवि विमलदास देवजानी (दाजी नगर, वर्सिया), आकाश भगवानो दास लाल वानी (कृष्णा डुप्लेक्स सेक्टर -1, हरणी वर्सिया रिंग रोड) और धर्मेश इंद्रकुमार सचदेव (पुराना आरटीओ, साईनाथ अपार्टमेंट, वर्सिया) शामिल हुए। गिरफ्तार किया गया।

गुजरात में पिछले 24 घंटों में 136 तालुकाओं में बारिश हुई

वडोदरा,10 अगस्त

गुजरात बारिश अपडेटः पिछले 24 घंटों में गुजरात के 136 तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई है। जिसमें सबसे ज्यादा बारिश छोटा उदेपुर में 2.32 इंच, वडोदरा में 2 इंच, आणंद के खंभात में 1.96 इंच और खेदाना के गलाटेश्वर में 1.65 इंच दर्ज की गई है. जबकि 115 तालुकाओं में एक इंच से भी कम बारिश हुई। इस बीच आज (10 अगस्त) बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर में भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 10 अगस्त को अरावली, महिसागर, बनासकांठा और साबरकांठा में भारी बारिश की संभावना है. जबकि कच्छ, मोरबी, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, राजकोट, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, सुरेंद्रनगर, अहमदाबाद, पाटन, मेहसाणा, गांधीनगर, खेड़ा, आनंद, वडोदरा, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदेपुर, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड में मध्यम बारिश हो सकती है।

11 से 13 तारीख के दौरान बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अरावली, महिसागर, दाहोद, पामांचल, छोटा उदेपुर, वडोदरा, खेड़ा, आनंद, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड में अधिकांश स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अगस्त है जबकि कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, राजकोट, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

14 और 15 अगस्त के दौरान बनासकांठा,पाटन,मेहसाणा, साबरकांठा,गांधीनगर, अरावली, महिसागर, दाहोद, पामांचल, छोटा उदेपुर ,वडोदरा,खेड़ा,आनंद,भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश। । हो पाता है जबकि कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, राजकोट, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर में बारिश की संभावना है।

'एक भी कांग्रेस नेता स्टैच्यू ऑफ यूनिटी नहीं गया', JP नड्डा ने नकली देशभक्त बता राहुल गांधी पर साधा निशाना

राजकोट। भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को नकली देशभक्त बताते हुए उन पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। साथ ही नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर केवल एक परिवार की परवाह करने का आरोप भी लगाया।

उन्होंने गुजरात के राजकोट में बीजेपी की तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर हमला किया। उन्होंने कहा कि संकीर्ण सोच और छोटी सोच वाले ये लोग 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए भारत को जोड़ने में व्यस्त हैं, लेकिन उन्हें भारत को एकजुट करने में सरदार पटेल के योगदान को याद रखना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुजरात के राजकोट में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज तक एक भी कांग्रेस नेता केवड़िया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्प अर्पित करने नहीं गया जिन्होंने 562 रियासतों को एक साथ लाकर इस महान भारत का निर्माण किया था।

ानिवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को नकली देशभक्त बताते हुए उन पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। साथ ही नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर केवल एक परिवार की परवाह करने का आरोप भी लगाया।

उन्होंने गुजरात के राजकोट में बीजेपी की तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर हमला किया। उन्होंने कहा कि संकीर्ण सोच और छोटी सोच वाले ये लोग 'भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए भारत को जोड़ने में व्यस्त हैं, लेकिन उन्हें भारत को एकजुट करने में सरदार पटेल के योगदान को याद रखना चाहिए।

जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु और नेताजी सुभाष चंद्र बोस सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भूलने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ठमुझे दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज तक एक भी कांग्रेस नेता केवड़िया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्प अर्पित करने नहीं गया, जिन्होंने 562 रियासतों को एक साथ लाकर इस महान भारत का निर्माण किया था।ठ

वडोदरा में मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर एसओजी द्वारा बम निरोधक दस्ते के साथ औचक चेकिंग

वडोदरा ,10 अगस्त

इस समय दूसरे देशों में आतंकी गतिविधियां चल रही हैं और कुछ राज्यों और जिलों में बम धमाकों की लगातार धमकियां मिल रही हैं. पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सतर्क रहने के निर्देश दिये गये हैं.

चल रहे पवित्र श्रावण मास और धार्मिक त्योहारों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए और एहतियात के तौर पर, वडोदर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मंदिरों में जहां लोग वर्तमान में चल रहे श्रावण माह के अनुसार श्रद्धापूर्व श्रावण माह मना रहे हैं। साथ ही श्रावण माह के दौरान विभिन्न मंदिरों में बड़े पैमाने पर पूजा अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके चलते 10 अगस्त को विभिन्न धार्मिक स्थलों व सार्वजनिक स्थलों पर हजारों की संख्या में लोगों के एकत्र होने के साथ ही आवाजाही के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एसओजी पुलिस निरीक्षक एस.डी. रताडा द्वारा बम निरोधक दस्ते को भी बुलाया गया था. राखी टीम द्वारा आधुनिक उपकरणों के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया है. जिसमें विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा वडोदरा शहर में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता दिखाते हुए प्रभावी कार्य किया गया।

भारत के पहले क्रॉसओवर यूटिलिटी वेहिकल[CUV]-MG विंडसर में मिलेगी सेगमेंट की पहली एयरो-लाउंज सीट

भारत में जल्द लॉन्च होने वाले क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल (CUV) - MG विंडसर में इस सेगमेंट की पहली एयरो-लाउंज सीटें दी जा रही हैं। ये खास सीटें लग्जरी और कंफर्ट का बेजोड़ मिश्रण हैं, जो इसमें बैठने वालों को बेहतरीन सफर अहसास देंगी।

MG विंडसर की सबसे खास खूबी इसकी 135 डिग्री तक रिक्लाइन होने वाली एयरो-लाउंज सीटें हैं। इन सीटों को लग्जरी और सुकून का अहसास कराने के लिए बेहद खास तरीके से डिजाइन किया गया है। इसका रिक्लाइन एंगल बहुत ही सावधानी के साथ तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि यात्री शहर की छोटी सी ड्राइव पर निकले हों या फिर लॉन्ग ड्राइव पर, वे पूरी स्टाइल और सुकून के साथ सफर कर सकें। विंडसर कैसल के भव्य आकार से प्रेरित, इस इंटेलिजेंट CUV में एक बड़े आकार का केबिन दिया गया है। इस कार के केबिन को एर्गोनॉमिक्स और सूबसूरती के साथ डिज़ाइन किया गया है। इसकी खूबसूरती आपको शांति और समृद्धि का अहसास कराती है।

यह इंटेलिजेंट CUV शानदार वास्तुशिल्प और शाही विरासत के प्रतीक - विंडसर कैसल से प्रेरित है। एतिहासिक कैसल की तरह दिखने वाली MG विंडसर शिल्प, खूबसूरती और राजसी गौरव को पेश करेगी। दुनिया के इस सबसे विशाल कैसल के एक-एक हिस्से को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है। MG विंडसर भी ऐसी ही है। इस कार के हर पहलू ठीक वैसी ही खूबसूरती और लग्जरी के साथ तैयार किया गया है,जिसके लिए विंडसर कैसल दुनिया भर में जाना जाता है।

भारत में सड़कों का नेटवर्क जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए देश में एळ्ऱ की ज़रूरत भी लगातार बढ़ती जा रही है। एळ्ऱे में एयरोडायनामिक डिज़ाइन और विशाल इंटीरियर का बेजोड़ संगम देखने को मिलता है। इसकी यही खूबियां इसे बड़े शहरों की व्यस्त सड़कों और छोटे शहरों के तंग रास्तों पर चलने के लिए एक बेहतरीन कार बनाती हैं। इसकी वर्सेटेलिटी और अडेप्टेबिलिटी, एळ्ऱ को एक शानदार कार बनाती हैं। चाहे आप रोजाना का सफर कर रहे हों या फिर वीकेंड पर छुट्टियां मनाने के लिए घूमने फिरने निकलें हों, यह आपको हर वक्त सुकून और आराम देती है। एळ्ऱ का बेहतरीन ग्राउंड क्लीयरेंस गड्ढों, स्पीड ब्रेकर और उबड़ खाबड़ रास्तों पर आपको एक स्मूथ और आरामदायक ड्राइव का अनुभव देता है।

पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ दो शख्स गिरफ्तार, वलसाड से पकड़े गए दोनों इंदौर के

वलसाड (ईएमएस) जिले की ग्रामीण पुलिस ने नेशनल हाईवे स्थित एक होटल से दो शख्सों को एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिर्या प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि दोनों ने अपने बचाव के लिए पिस्तौल खरीदी थी जानकारी के मुताबिक वलसाड ग्रामीण पुलिस को सूचना मिली कि नेशनल हाईवे पर एक होटल में दो युवकों के पास घातक हथियार होने की आशंका है सूचना के आधार पर वलसाड ग्रामीण पुलिस का काफिला तुरंत इस होटल पहुंच गया

सूरत के डायमंड किंग गोविंद ढोलकिया ने राज्य सभा में ऐसा क्या कहा कि सब सुनते रह गए?

सूरत, 10

राम मंदिर के लिए बड़ा दान देने के बाद जब सूरत के हीरा राजा गोविंद ढोलकिया राज्यसभा में बोलने के लिए खड़े हुए तो सभी सदस्य सुनना बंद कर दिए. अपने पहले भाषण में गोविंद ढोलकिया ने जहां बजट की तारीफ की और संसद के ऊपरी सदन का सदस्य बनाने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया, लेकिन जब गोविंद ढोलकिया ने अपने भाषण की शुरुआत संस्कृत श्लोक से की तो सन्नाटा छा गया. अध्यक्ष राजीव शुक्ला को पूछना पड़ा कि क्या आप संस्कृत में भाषण देंगे. जब गोविंद ढोलकिया ने अपना भाषण खत्म किया तो राजीव शुक्ला ने उनसे दो बार पूछा कि आप क्या हैं? कुछ सदस्योंने अच्छे भाषण के लिए बधाई भी दी. राजीव शुक्ला ने भी उनकी तारीफ की. गोविंद ढोलकिया ने सूरत में मेट्रो को मंजूरी देने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद भी दिया.

गोविंद ढोलकिया ने अपने पहले भाषण में अपने संघर्ष का वर्णन किया और कहा कि वह एक किसान के बेटे हैं. उन्होंने कहा कि मैंने कक्षा 6 तक की पढ़ाई अपने गांव के स्कूल में की है लेकिन 2013 से मैं लगातार घ्ध्ध् अहमदाबाद में लेक्चर देने जाता रहा हूं. गोविंद ढोलकिया ने बताया कि 60 साल पहले उन्होंने हीरा कारीगर के तौर पर काम करना शुरू किया था. आज यहां 60 हजार लोग काम करते हैं. ये सभी उनके परिवार के सदस्य हैं. गोविंद ढोलकिया ने राज्यसभा में मौजूद सभी सदस्यों को सूरत आने का निमंत्रण दिया और कहा कि वे एक बार सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी) जरूर आएं. धाराप्रवाह गुजराती बोलने वाले गोविंद ढोलकिया ने राज्यसभा में पहले से लिखा भाषण पढ़ा. अंततः जब वह बैठे तो पीठासीन सभापति राजीव शुक्ला ने उनसे पूछा कि आप किसान हैं या हीरा व्यापारी। गोविंद ढोलकिया ने कहा कि ये दोनों हैं. उन्हें खेती से जुड़े सभी कामों की जानकारी होती है.

गोविंद ढोलकिया ने जब सदन में अपने पहले भाषण से सबका दिल जीत लिया तो उन्होंने ये भी कहा कि कई सदस्यों का खेती-किसानी से कोई लेना-देना नहीं है. वे सदन में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं. गोविंद ढोलकिया को इसी साल बीजेपी ने गुजरात से राज्यसभा भेजा था. वह फरवरी में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। गोविंद ढोलकिया के पास 7000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। अब वह सूरत में रहते हैं. वह गुजरात के अमरेली जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने राम मंदिर के लिए 11 करोड़ रुपये का दान दिया. गोविंद ढोलकिया मशहूर राम कथावाचक मोरारी बापू के अनुयायी माने जाते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनका दो दशक से अधिक पुराना परिचय है।

7 नवंबर 1947 को ग्राम दुधाला में जन्मे गोविंद ढोलकिया को लोग काका के नाम से जानते हैं। उन्हें सूरत को हीरे की राजधानी बनाने का श्रेय दिया जाता है। वह श्री राम कृष्ण एक्सपोर्ट डायमंड कंपनी के मालिक हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1964 में सूरत से की थी. शून्य से करोड़ों तक का सफर तय करने वाले गोविंद ढोलकिया ने बिजनेस शुरू करने के लिए 410 रुपये उधार लिए थे। इसके बाद वह हीरे के कारोबार में कूद पड़े और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। गोविंद ढोलकिया ने अपनी आत्मकथा में अपने जीवन के संघर्ष का जिक्र किया है। उनकी आत्मकथा 'डायमंड्स आर फॉरएवर, सो आर मोरल्स' नाम से प्रकाशित हुई। इसमें उन्होंने बताया कि हीरे की पहली बिक्री से उन्हें 920 रुपये मिले थे. किसान परिवार में जन्मे गोविंद ढोलकिया के परिवार में सात भाई-बहन हैं।

तिरंगा सभी देशवासियों को एकसूत्र में बांधता है : मुख्यमंत्री

राजकोट (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता पर्व को जनआंदोलन बनाने के लिए देश को 'हर घर तिरंगा' और 'तिरंगा यात्रा' का विचार दिया है। देश के गौरव तिरंगे की गरिमा को कायम रखाने के इस अवसर पर राजकोटवासियों के उत्साह की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा तिरंगा सभी देशवासियों को एक सूत्र में बांधता है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल राजकोट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में शनिवार को राजकोट के रेसकोर्स मैदान पर हजारों लोगों के उमंग-उत्साह और देशभक्ति से सराबोर माहौल के बीच तिरंगा यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'मेरी माटी, मेरा देश', 'आजादी का अमृत महोत्सव' और 'तिरंगा यात्रा' जैसे अभियानों ने नागरिकों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को मजबूत करने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जन-जन में राष्ट्रभक्ति के भाव को और अधिक मजबूत करने के लिए शुरू किया गया यह अभियान अब घर-घर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर स्वराज हासिल करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाने वाले हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को हृदयपूर्वक वंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय चेतना के प्रेरक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश को सुराज्य के साथ-साथ विकसित बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी नागरिक राष्ट्रभक्ति के साथ इस यादगार पर्व में सहयोगी बने।

राजकोट की महापौर श्रीमती नयनाबेन पेढडिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नागरिकों में राष्ट्रभाव जगाने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत इस तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। राजकोट मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री जममीन ठाकर ने स्वागत भाषण दिया। अभी देश भर में चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सभी गणमान्य व्यक्तियों का पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। जनसभा के बाद सभी महानुभावों ने तिरंगा यात्रा को रवाना किया और हाथ में तिरंगा लेकर रेसकोर्स से जुबली गार्डन तक यात्रा में शामिल हुए, जहां उन्होंने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह संगीत की धुनों, परम्परागत नृत्यों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से यात्रा का स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा के मार्ग पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर राष्ट्रीय ध्वन के प्रति अपना आदर-सम्मान व्यक्त किया। तिरंगा यात्रा के आरंभ होने से पहले बहुमाली भवन में बनाए गए मुख्य मंच पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। कणबी रास, मांडवी, मणियारो रास, बेडा नृत्य, पांचाल का डोका रास, नळकांठा के पढारो के मंजीरा रास, डांगी नृत्य, ढाल-तलवार नृत्य, मिश्रा रास, छोटाउदेपुर का राठवा नृत्य, मालधारियों का गोफ रास, गरबा और चोरवाड़ के टिप्पणी नृत्य ने लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राज्य के कृषि मंत्री राघवजी पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया, कर्नाटक के पूर्व राज्यपाल वजुभाई वाला, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणाबेन रंगाणी, सांसद परषोत्तमभाई रुपाला, केसरीदेवसिंह झाला, विनोदभाई चावड़ा, रामभाई मोकरिया, विधायक उदयभाई कानगड़, डॉ. दर्शिताबेन शाह, रमेश टीलाळा, राजकोट मनपा आयुक्त देवांग देसाई, जिला कलेक्टर प्रभव जोशी, पुलिस आयुक्त ब्रजेशकुमार झा, जिला विकास अधिकारी डॉ. नवनाथ गव्हाणे, उप महापौर नरेन्द्रसिंह जाडेजा, मनपा में शासक दल की नेता श्रीमती नीलूबेन जादव, सचेतक मनीष राडिया, समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह वाला, अग्रणी डॉ. भरतभाई बोघरा, मुकेशभाई दोशी, मोहनभाई कुंडारिया और विरेन्द्रसिंह झाला मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा में राजकोट के कई स्कूलों के विद्यार्थी और शिक्षक, सामाजिक संस्थाएं, व्यापार और उद्योग संगठन, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के अध्यापक एवं छात्रों सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

वडोदरा निगम के घटिया काम का एक और उदाहरणः बरसाती कांस्य स्लैब धमाके के साथ ढह गया

वड़ोदरा ,10 अगस्त

लगातार आरोप लगते रहे हैं कि वड़ोदरा नगर निगम का काम खोखला है। कामकाज में चूक का एक और सबूत सामने आया है. आज सुबह न्यू वीआईपी रोड पर 40 फुट का रेन कांसे का स्लैब ढह गया। जैसा कि अब भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है, इन वर्षा बैंकों के ढहने से आस-पास की सोसायटी में जलभराव की गंभीर समस्या होने की संभावना है। नवनिर्मित सड़कों के टूटने और मकानों के स्लैब गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। जिसमें अब वर्षा कांस्य स्लैब भी शामिल हैं।

आज सुबह करीब 6 बजे वडोदरा में न्यू वीआईपी रोड पर शिव बंगले के पास वारसिया रिंग रोड पर कृष्णकुंज के पास एक बारिश कांस्य स्लैब धमाके के साथ गिर गया। जिस सोसायटी में यह घटना हुई वहां के लोग भी दहशत में आकर वहां जमा हो गए। तुरंत निगम को सूचना दी गई। निवासियों के अनुसार, हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान भी जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है, और अब डर है कि बारिश के पानी का कांस्य स्लैब ढह जाएगा और जल निकासी बंद हो जाएगी और सोसायटी के घरों के भूतल पर पानी भर जाएगा। यह बरसाती नाला 20 साल पुराना है। स्लैब टूटने से घटना स्थल के आसपास के 30 घरों की नींव क्षतिग्रस्त होने का खतरा है। निगम ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। लेकिन लोगों की मानें तो बरसात के बाद निगम द्वारा कृष्णाकुंज और शिव बंगला के पास नये कंस बनाने का काम किया जाना जरूरी है.

नर्मदा बांध का जलस्तर पहुंचा 132 मीटर के पार, निचले इलाकों को किया गया अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात की जीवन रेखा माने जाते सरदार सरोवर नर्मदा योजना में बड़े पैमाने नई जलराशि की आय हो रही है, इस कारण नर्मदा बांध का जलस्तर 132 मीटर को पार कर गया है बांध के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए निचले इलाकों को अलर्ट कर दिया है और किसी भी वक्त बांध से 95 हजार से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना है जानकारी के मुताबिक सरदार सरोवर नर्मदा बांध का स्तर तेजी से बढ़ रहा है सीजन में पहली बार 132 मीटर पार हुआ नर्मदा बांध नर्मदा बांध अपने अधिकतम स्तर से महज 7 मीटर दूर है। ऊपरी हिस्सों से 392487 क्यूसेक पानी की आय हो रही है। 24 घंटे में नर्मदा बांध का जलस्तर काफी बढ़ गया है पिछले 24 घंटे में जलस्तर 2.83 मीटर बढ़ गया है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने ओपन एल्बो रिलीज सर्जरी की मदद से अपनी कोहनी को हिलाने-डुलाने में असमर्थ मरीज का सफलतापूर्वक इलाज किया

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने ओपन एल्बो रिलीज सर्जरी की मदद से दो युवतियों की कोहनी की अकड़न का सफलतापूर्वक इलाज किया, ताकि उनकी कोहनी को पहले की तरह हिलाने-डुलाने में सक्षम बनाया जा सके। इस सर्जरी से पहले फिजियोथेरेपी, दवाइयां और वैकल्पिक चिकित्सा जैसे हर तरह के पारंपरिक उपचार बेअसर साबित हो चुके थे। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, अहमदाबाद में ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा प्रोग्राम के प्रमुख, डॉ. प्रणव शाह ने इस टीम की अगुवाई की।

32 साल की सुनैना पटेल (बदला हुआ नाम) को शुरुआत में कोहनी में चोट लगी थी और उनके होमटाउन के स्थानीय अस्पताल में उनकी सर्जरी हुई थी। शुरुआती इलाज के बावजूद, वह अपनी कोहनी को पहले की तरह हिलाने-डुलाने पाने में असमर्थ थी और उनकी कोहनी में अकड़न आ गई थी। इसकी वजह से उनके लिए उस हाथ से